Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 246
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 12 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 नागरिक-केंद्रित 'आपले सरकार 2.0' पोर्टल...

4 हिंदी दिवस और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी का ..

7 विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का पूजा रानी ...

संक्षिप्त न्यूज

वोट चोरी पर भविष्य में और भी विस्फोटक सबूत पेश करेंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराते हुए दावा किया कि भविष्य में वह इस संबंध में और भी डायनेमिक एक्सप्लोसिव (विस्फोटक)

सबूत पेश करेंगे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गांधी ने संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक और व्हाइट सबूत दिए हैं। आने वाले समय में, हम और भी डायनेमिक सबूत देंगे।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा अब पूरे देश में गूंज रहा है। उन्होंने कहा, हम आपको दिखाएंगे, भारत के युवाओं, सुनो, यही सच्चाई है और चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं।

गांधी ने संवाददाताओं से कहा, हम गारंटी देते हैं कि हम आपको सबूत देंगे। कांग्रेस नेता ने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा, भाजपा नेता जो उत्तेजित हो रहे हैं, उत्तेजित मत होइए। जब हाइड्रोजन बम आएगा, तो सब कुछ साफ हो जाएगा।

राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को यहां रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की। अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर आए गांधी ने कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में बैठक की अध्यक्षता की।

आपदाग्रस्त उत्तराखंड पहुंचे पीएम मोदी, 1200 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने 11 सितंबर 2025 को देहरादून का दौरा किया और उत्तराखंड के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन से हुई बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की। पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के बाढ़ और बारिश प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

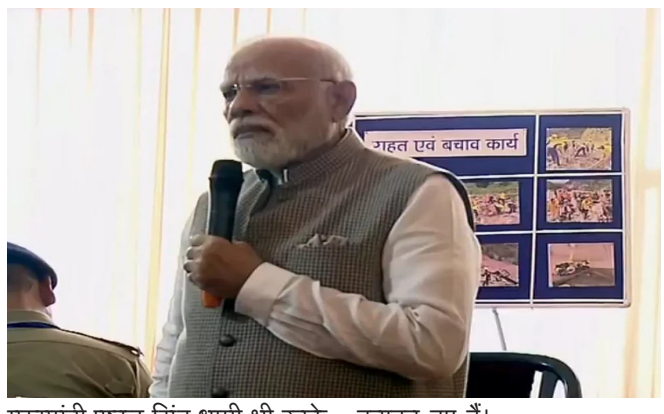

प्रधानमंत्री ने हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण अनाथ हुए बच्चों के लिए पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत व्यापक सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड में बाढ़ की स्थिति पर एक प्रस्तुति देखते हुए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उनके साथ रहे। केदारनाथ त्रासदी के बाद से, इस वर्ष राज्य में सबसे अधिक आपदाएँ आई हैं, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई गाँव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहाँ न केवल लोगों की जान गई है, बल्कि पशुधन भी हताहत हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ अपनी बैठकें समाप्त करने के बाद देहरादून पहुँचे। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की और कई दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। बुधवार को, मुख्यमंत्री धामी ने अंतर-मंत्रालयी दल से मुलाकात की, जिसने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, चमोली, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में हुए नुकसान का आकलन किया।

दल का नेतृत्व गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर. प्रसन्ना ने किया। दल ने आपदा प्रभावित लोगों से प्राप्त प्रतिक्रिया साझा की और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने राहत शिविरों में आश्रय और भोजन की व्यवस्था, मौके पर चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और प्रभावित लोगों को प्रदान की जाने वाली अन्य आवश्यक सेवाओं की सराहना की। केंद्रीय टीम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मृतक व्यक्तियों के परिवारों और जिनके घर नष्ट हो गए थे, उन्हें 5 लाख रुपये की तत्काल सहायता प्रदान की गई, जिससे पीड़ितों को काफी राहत मिली।

रेल मंत्री वैष्णव ने जयपुर में रेलवे के विकास कार्यों का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को जयपुर जंक्शन, गांधीनगर और खातीपुरा रेलवे स्टेशनों पर जारी विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया और उनकी प्रगति की समीक्षा की। वैष्णव दिल्ली से खातीपुरा रेलवे स्टेशन पहुंचे।

उन्होंने वहां विकसित की जा रही कोच रखरखाव इकाई के मॉडल का निरीक्षण किया। उन्होंने जगतपुरा में एक स्थानीय कार्यक्रम में भी भाग लिया। कार्यक्रम से इतर वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने रेलवे के विकास कार्यों के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की है।

रेल मंत्री ने जयपुर में गांधीनगर और खातीपुरा रेलवे स्टेशनों का नाम बदलने का सुझाव दिया ताकि उनके बारे में अधिक स्पष्टता हो सके। उन्होंने सुझाव दिया कि गांधीनगर स्टेशन का नाम बदलकर जयपुर गांधीनगर स्टेशन किया जा सकता है ताकि लोगों को स्पष्ट रूप से समझ आ सके कि यह गुजरात का नहीं बल्कि राजस्थान का गांधीनगर स्टेशन है।

उन्होंने अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से नामों के संबंध में सुझाव लेने को कहा। केंद्रीय मंत्री ने गांधीनगर रेलवे स्टेशन का दौरा किया और वहां जारी विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मंत्री के साथ थे। वैष्णव ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

भाजपा को दिया हर वोट केरल की पवित्रता खत्म कर देगाः विजयन का बड़ा सियासी वार

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राज्य के लोगों से भाजपा का समर्थन करने के निहितार्थों को समझने की अपील की है और कहा है कि 'भाजपा को दिया गया एक-एक वोट' राज्य की पवित्रता को नष्ट कर देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य के प्रतिष्ठित ओणम त्योहार से जुड़ी सांस्कृतिक परंपराओं को बदलने की कोशिश कर रही है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री विजयन ने उन्हें दिखाई गई एक तस्वीर पर चिंता व्यक्त की, जिसमें महाविष्णु, वामन और महाबली को इस तरह से दर्शाया गया है जिससे ओणम की पारंपरिक कथा में बदलाव का आभास होता है, जहाँ महाबली के आगमन का जश्न मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों एर्नाकुलम में एक कार्यक्रम हुआ था जिसमें गृह मंत्री अमित शाह ने शिरकत की थी। पिछले हफ़्ते ओणम का जश्न बहुत धूमधाम से मनाया गया था। वे ओणम को ही बदल देंगे। ओणम के दिन, एक महत्वपूर्ण व्यक्ति मुझसे मिलने आया था। मैं नाम नहीं लूँगा। उसने मुझे अपने फ़ोन पर एक संदेश दिखाया। उसने एक तस्वीर दिखाई जिसमें महाविष्णु थे। महाविष्णु के सामने वामन हैं, और वामन के चरणों में महाबली दिखाई दे रहे हैं। इसका मतलब है कि वे ओणम को बदलना चाहते हैं जिस दौरान महाबली आते हैं। मुख्यमंत्री विजयन ने लोगों से भाजपा का समर्थन न करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि वे आज हम जो कुछ भी अनुभव करते हैं उसे पुराने ज़माने में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

जल शक्ति मंत्री ने परखी बिहार में मोदी के विकसित भारत की रफ्तार, 11500 करोड़ की योजनाओं का जायजा

पटना। आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के विज़न का बिहार साक्षी बन रहा है। मोदी जी ने बिहार के विकास के लिए विशेष पैकेज के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के लिए बजट आवंटन किया है। आज जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल जी भी बिहार आए, जहाँ उन्होंने बाढ़ नियंत्रण एवं जल शक्ति मंत्रालय से संबंधित चल रही परियोजनाओं की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। भारत सरकार ने इसके लिए 11500 करोड़ (ग्यारह हज़ार पाँच सो करोड़ रुपए) के बजट का आवंटन किया है।इस महत्वाकांक्षी योजना से बाढ़ नियंत्रण तो होगा ही साथ ही सिंचाई परियोजना से बिहार के लाखों किसान लाभान्वित होंगे।

इस दौरान मंत्री जी ने पटना हवाई अड्डे

पर बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों से संबंधित योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की, तत्पश्चात बिरपुर बैराज एवं कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना का हवाई सर्वेक्षण कर जायज़ा लिया। सुपौल ज़िले के बिरपुर हवाई अड्डे से प्रस्थान करने के बाद पश्चिमी कोसी नहर परियोजना (ईआरएम) और बागमती तटबंध का भी हवाई निरीक्षण किया।

बिहार में बाढ़ प्रबंधन तथा जल संसाधन विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की गति और प्रभावशीलता को सुनिश्चित करेगा। मोदी सरकार की योजनाएँ धरातल पर पूरी पारदर्शिता के साथ पहुँचे इसके लिए श्री पाटिल जी का यह दौरा अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शिवाजीनगर से सेंट मैरी, मेट्रो के नाम को लेकर भिड़े फडणवीस और सिद्धारमैया

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा बेंगलुरू के शिवाजीनगर में एक आगामी मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी रखने के 'वादे' से विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस प्रस्ताव की आलोचना करते हुए इसे मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान बताया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने हाल ही में शिवाजीनगर के सेंट मैरी बेसिलिका में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि उन्होंने केंद्र से सिफारिश की है कि आगामी मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी के नाम पर रखा जाए। इस पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस योजना की निंदा की। फडणवीस ने कहा कि मैं बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी के नाम पर रखने के कर्नाटक सरकार के कदम की निंदा करता हूँ। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान है।

फडणवीस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में मराठा योद्धा राजा का अपमान करने की परंपरा नेहरू के समय से ही रही है, जिन्होंने अपनी पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया में शिवाजी महाराज के खिलाफ टिप्पणी की थी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वह प्रार्थना कर रहे थे कि सर्वशक्तिमान सिद्धारमैया को सद्बुद्धि दे ताकि वह इस योजना को आगे न बढ़ाएं, जो धर्म पर आधारित है और छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ है। महाराष्ट्र भाजपा एमएलसी चित्रा वाघ ने कहा कि इस कदम ने शिवाजी महाराज के प्रति कांग्रेस की घृणा को उजागर कर दिया है। वाघ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक रिज़वान (अरशद) ने मांग की है कि बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी रखा जाए। उन्होंने आगे कहा कि सिद्धारमैया ने नाम परिवर्तन के लिए केंद्र को एक प्रस्ताव भेजा है। वाघ ने महाराष्ट्र कांग्रेस से इस मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का आह्वान किया।

कर्नाटक भाजपा नेता चलवाड़ी नारायण स्वामी ने भी इस योजना की आलोचना करते हुए दावा किया कि तुष्टिकरण कांग्रेस पार्टी की पहली पसंद बन गया है। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता स्वामी ने कहा कि क्या वे शिवाजीनगर नाम हटा देंगे? उन्हें अपनी सीमा से आगे नहीं जाना चाहिए।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार; सीपी राधाकृष्णन की लेंगे जगह

नई दिल्ली। भारत के नए उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति भवन की तरफ से बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन के इस्तीफे के बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। वे अब दोनों राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभालेंगे।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान में आगे बताया गया कि सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद खाली हुआ। इसके चलते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

सीपी राधाकृष्णन बने अगले उपराष्ट्रपति

बता दें कि बीते 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे देने के बाद उपराष्ट्रपति पद को लेकर चर्चा तेज हो गई कि भारत का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा? ऐसे में बीते नौ सितंबर को इसके लिए चुनाव हुए। 67 वर्षीय एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार बी सुधर्शन रेड्डी को 152 वोटों से हराकर, भारत के नए उपराष्ट्रपति बन गए।

कौन है आचार्य देवव्रत?

अब बात अगर आचार्य देवव्रत की करें तो देवव्रत एक शिक्षाविद, समाजसेवी और वैदिक विद्वान के रूप में जाने जाते हैं। वे लंबे समय तक गुरुकुल शिक्षा प्रणाली से जुड़े रहे हैं। उन्होंने हरियाणा के गुरुकुल कुरुक्षेत्र में प्रधानाचार्य के रूप में काम किया है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को फोर्टिस अस्पताल से मिली छुट्टी, 7 दिन बाद लौटे आवास

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, जहाँ वे पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भर्ती थे। डॉक्टरों के अनुसार, मुख्यमंत्री मान को आज शाम लगभग 4:30 बजे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उनके सीधे चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास जाने की उम्मीद है। भगवंत मान को शुक्रवार शाम थकान और कम हृदय गति की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

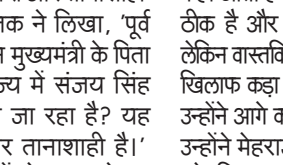

बयान में कहा गया है कि 51 वर्षीय मान के स्वास्थ्य की जाँच की गई और उनकी हालत स्थिर हो गई थी। अस्पताल के बयान में कहा गया है, 'पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को थकावट और कम हृदय गति की शिकायत के बाद मोहाली के फोर्टिस अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुँचने पर उनकी स्वास्थ्य की जाँच की गई और अब उनकी हालत स्थिर है।' बयान में कहा गया है कि मान फिलहाल निगरानी में हैं और उनकी नाड़ी की गति में सुधार हुआ है।

मणिपुर के भाजपा सदस्यों का सामूहिक इस्तीफा, फुंगयार का मामला; पार्टी नेतृत्व मौन

इंफाल। मणिपुर में पिछले दो साल से जारी हिंसा ने राज्यभर की राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया है। इसी सिलसिले में राज्य में भाजपा को एक बड़ा झटका तब लगा जब 13 सितंबर को पीएम मोदी के संभावित मणिपुर दौरे से पहले उखरुल जिले के फुंगयार विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के 43 पदाधिकारियों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वालों में मंडल अध्यक्ष, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा के प्रमुख और कई बूथ अध्यक्ष शामिल हैं।

भाजपा ने दी प्रतिक्रिया

वहीं इन इस्तीफों पर मणिपुर भाजपा के उपाध्यक्ष अवुंग शिमराय होपिंगसन ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग 2022 विधानसभा चुनाव के बाद से ही पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे। उन्होंने इसे एक प्रचार स्टंट करार देते हुए कहा कि यह लोगों को गुमराह करने और पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने की साजिश है। उन्होंने यह भी दावा किया कि फुंगयार क्षेत्र में भाजपा की मंडल और बूथ स्तरीय इकाइयां पूरी तरह से मजबूत और सक्रिय हैं। साथ ही, इस्तीफा देने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई

की मांग की गई है।

इस्तीफा के बाद क्या बोले नेता?

वहीं इस्तीफा देने वाले नेताओं ने एक बयान जारी कर कहा कि वे पार्टी की वर्तमान स्थिति को लेकर गंभीर चिंता में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में जमीनी नेताओं के साथ कोई परामर्श नहीं होता, समावेशिता नहीं है

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मांग पर केंद्रीय उद्योग मंत्री ने किया ऐलान

बिहार में बनेगा चार और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने पटना के बापू सभागार में आयोजित बिहार आइडिया फेस्टिवल को संबोधित करते कहा- बिहार औद्योगिक विकास की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार के विकास के लिए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर दिया है। गया में 1700 एकड़ में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है, बिहार सरकार ने इसके लिए 1300 एकड़ अतिरिक्त जमीन उपलब्ध कराई है। श्री चौधरी ने कहा-बिहार की 14 करोड़ आबादी की जरूरतें इतनी बड़ी हैं कि एक कॉरिडोर से हमारा काम नहीं चलेगा। हम माननीय केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से अनुरोध करते हैं कि हमें कम से कम चार और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर दें।

कार्यक्रम में मौजूद गोयल ने उपमुख्यमंत्री की मांग पर तुरंत संज्ञान लिया और घोषणा की- बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में चार औद्योगिक कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही श्री गोयल ने नई बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025 की तारीफ की और इसे देश में सबसे सरल और उदार पैकेज

बताया।

उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने केंद्रीय मंत्री श्री गोयल को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह एतिहासिक समय है, जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम हजारों नहीं बल्कि लाखों लोगों को रोजगार देने वाले उद्योग लगाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्ग दर्शन और नीतीश कुमार के नेतृत्व में रफ्तार पकड़ चुका है बिहार। उपमुख्यमंत्री ने कहा- बिहार में अब विश्वस्तरीय सड़कों का जाल बिछा है। पटना से राज्य के किसी भी कोने तक चार से पांच घंटे में पहुंचा जा सकता है। रेल विस्तार में भी बिहार आगे है, यहां 13 वंदे भारत ट्रेनें दौड़ रही हैं। गंगा किनारे दीघा से कोईलवर और मुंगेर से भागलपुर तक मैरिन ड्राइव बन रहा है। पांच बड़े एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। चौधरी ने कहा- राज्य में अब तक 17 इथेनॉल प्लांट लगाए जा चुके हैं। मक्का, गेहूं और अब चावल के खुद्दी (चावल का छोटे टुकड़े) तक को प्रोसेस कर इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है। बिहार में पिछले पांच सालों में करीब 40 लाख लोगों को रोजगार दिए गए हैं। 2025-30 में हमारा लक्ष्य एक करोड़ सरकारी नौकरी और रोजगार देने का है।

श्रीनगर में संजय सिंह नजरबंद! फारूक से मिलने से रोकाः केजरीवाल बोले- ये तानाशाही!

श्रीनगर।आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को सांसद संजय सिंह से मिलने नहीं दिए जाने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। संजय सिंह आप विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी का विरोध करने श्रीनगर गए थे। केजरीवाल ने एक पोस्ट शेयर करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस की कार्रवाई को 'गुंडागर्दी और तानाशाही' बताया। आप संयोजक ने लिखा, 'पूर्व मुख्यमंत्री, जो वर्तमान मुख्यमंत्री के पिता हैं, को अपने ही राज्य में संजय सिंह से मिलने नहीं दिया जा रहा है? यह सरासर गुंडागर्दी और तानाशाही है।'

संजय सिंह ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'यह बहुत दुखद है कि फारूक अब्दुल्ला जी, जो कई बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, पुलिस द्वारा मेरी नज़रबंदी की खबर सुनकर सरकारी गेस्ट हाउस में मुझसे मिलने आए, लेकिन उन्हें मुझसे मिलने नहीं दिया गया। यह तानाशाही नहीं तो और क्या है?' जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह वास्तविकता है कि संजय सिंह को जेल में बंद किया गया था। बार-बार ऐसी चीजें की जा रही हैं। ऐसा कहा जाता है कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक है और एक नया ख्ब उभर रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वे हमेशा हमारे खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह एक तथ्य है कि उन्होंने मेहराज मलिक (AAP विधायक) को गिरफ्तार करके सख्त तरीके से निपटा है।

भारत-पाक मैच पर सुप्रिया सुले का केंद्र से तीखा सवाल

खून और पानी साथ नहीं तो बल्ला-गेंद कैसे?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को भारत बनाम पाकिस्तान एशिया कप 2025 मैच पर केंद्र सरकार के रुख पर आश्चर्य व्यक्त किया और पूछा कि अगर खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो बल्ला और गेंद एक साथ कैसे आ गए। सुप्रिया सुले ने संवाददाताओं से कहा कि मैं भारत-पाकिस्तान मैच पर सरकार के रुख से स्तब्ध हूँ। एक तरफ, वे कहते हैं कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते', तो यह मैच कैसे हो रहा है? अगर खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो बल्ला और गेंद एक साथ कैसे आ सकते हैं?

सुले ने भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर संजय राउत के विरोध के मुद्दे पर बात की और कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है। सुले ने कहा कि मुझे नहीं पता कि संजय राउत और शिवसेना यूबीटी कोई विरोध प्रदर्शन करने जा रहे

हैं या नहीं। मैं गठबंधन के सदस्यों से बात करूंगी। भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को एशिया कप 2025 के मैच में आमने-सामने होंगे। इस मुकाबले ने भारत में विपक्षी दलों के बीच रोष पैदा कर दिया है क्योंकि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहे हैं।

इससे पहले, शिवसेना (यूबीटी) ने एशिया कप 2025 में होने वाले आगामी भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध करने की घोषणा की थी। पार्टी सांसद संजय राउत ने पड़ोसी देश के खिलाफ खेलने के फैसले को देशद्रोह और बेशर्मी करार दिया। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा, 'हम इस भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध करेंगे। महिलाएँ सड़कों पर उतरेंगी और हमारा अभियान 'सिंदूर रक्षा अभियान' है। आपने कहा था कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे। अगर पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे, तो खून और क्रिकेट साथ-साथ कैसे चलेंगे? यह देशद्रोह है, बेशर्मी है।'

शिवसेना यूबीटी सांसद ने इस मैच को होने देने में संघ परिवार की भूमिका पर सवाल उठाया और कहा कि उन्हें खेलों से ज़्यादा राष्ट्रीय भावनाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब पहलगाम पीड़ितों के परिवारों का दर्द, दुख और गुस्सा अभी भी बना हुआ है, तो सरकार पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच की अनुमति कैसे दे सकती है।

घाटकोपर पश्चिम नौ सेना बेस क्षेत्र में पतंगबाजी पर प्रतिबंध

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई में उतरने वाले विमान घाटकोपर पश्चिम से कुर्ला हवाई अड्डे तक जाते हैं। हालाँकि, इस क्षेत्र में एक नौसैनिक अड्डा है, और कई लोग यहाँ के आज़ाद नगर और सुंदर नगर इलाकों में पतंग उड़ाते हैं। इससे विमानों और हेलीकॉप्टरों के साथ हस्तक्षेप का डर रहता है। इस पृष्ठभूमि में, अगले दो महीनों के लिए इस क्षेत्र में पतंग बाजी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संबंध में एक आदेश मुंबई पुलिस आयुक्तालय द्वारा जारी किया गया है और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस को जानकारी मिली है कि आज़ाद नगर और सुंदर नगर इलाकों में पतंगें उड़ाई जा रही हैं, जो घाटकोपर पश्चिम में नौसेना कमान के मुख्य नौसैनिक अड्डे, आईएनएस शिका के बगल में स्थित हैं। साथ ही, ये नौसैनिक हवाई अड्डे आईएनएस शिका के आसपास के मुक्त उड़ान क्षेत्र में, लैंडिंग विमान की दिशा में और रनवे के दृष्टिकोण पथ में उड़ाई जाती हैं। इसलिए, इस क्षेत्र में विमानों और हेलीकॉप्टरों की सुरक्षित आवाजाही सामने आई है। इसलिए, पुलिस ने अब स्पष्ट किया है कि यहां एक सुरक्षित और मुक्त उड़ान क्षेत्र

स्थापित करने के लिए पतंगबाजी पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। आईएनएस शिखा हया आज़ाद नगर और सुंदर नगर के क्षेत्र में स्थित है, जो पश्चिम नौसेना कमान के मुख्य नौसैनिक अड्डे के किनारे और नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस शिखा के आसपास के मुक्त उड़ान क्षेत्र में, विमानों के उतरने और उड़ान भरने की दिशा में और रनवे के दृष्टिकोण पथ में स्थित है। यह स्पष्ट है कि कोई भी व्यक्ति जो आईएनएस शिखा हया के क्षेत्र में पतंग उड़ाता है, तो बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में है, निषिद्ध है। जान लें कि पश्चिम नौसेना कमान के मुख्य नौसैनिक अड्डे के आसपास के मुक्त उड़ान क्षेत्र में, आज़ाद नगर और सुंदर नगर के आस-पास के इलाकों में पतंग नहीं उड़ाई जानी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति विमानों के उतरने, टेक-ऑफ और आवाजाही में बाधा डालने के इरादे से ऐसी गतिविधियों का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो निकटतम पुलिस स्टेशन को सूचित करने पर कार्रवाई की जाएगी। यह भी जारी किया गया है कि इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय होगा। इस संबंध में, पुलिस ने संबंधित पुलिस थानों के साथ-साथ महानगर पालिका वार्ड कार्यालयों और तहसील और वार्ड कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर प्रतियां चिपकाने और मीडिया के माध्यम से इसका प्रचार करने के निर्देश दिए हैं।

पश्चिम रेलवे उधना एवं पुरी के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना एवं पुरी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 08472/08471 उधना-पुरी स्पेशल (साप्ताहिक) (20 फेरे)

ट्रेन संख्या 08472 उधना-पुरी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को उधना से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:45 बजे पुरी पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 25 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08471 पुरी-उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को पुरी से 06:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 24 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान,

व्यारा, नंदुरबार, अमलनेर, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा रोड, संबलपुर सिटी, रेढ़ाखोल, अंगुल, तालचेर रोड, ढेंकानाल, भुवनेश्वर और खुर्दा रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 08472 की बुकिंग 12 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

आशीष शेलार बोले- मुंबई में 25000 से ज्यादा इमारतों को मिलेगी राहत, नए नियम से मिलेगा OC सर्टिफिकेट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई उपनगरों के संरक्षक मंत्री आशीष शेलार ने गुरुवार को कहा कि शहर की 25000 से ज्यादा इमारतें, जिन्हें अब तक ऑक्युपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) नहीं मिला था, उन्हें जल्द ही नए सरकारी नियमों के तहत नियमित किया जाएगा। इस फैसले से लाखों मुंबईकरों को राहत मिलेगी, जो वर्षों से इन इमारतों में रह रहे हैं लेकिन तकनीकी तौर पर 'अनधिकृत निवासी' माने जाते थे।

बैठक के बाद लिया गया फैसला

आशीष शेलार ने बताया कि यह फैसला बीएमसी, शहरी विकास विभाग, राजस्व विभाग और सहकारिता विभाग की बैठक में लिया गया। उन्होंने

कहा, 'बीएमसी के डेवलपमेंट कंट्रोल रेगुलेशन के तहत बनी इमारतें, म्हाडा, एसआरए और अन्य प्राधिकरणों की परियोजनाएं, जिनके अलग-अलग कारणों से ओसी अटके हुए थे, उन्हें अब सरल प्रक्रिया में सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।'

इस वजह से नहीं मिल सका था ओसी?

मंत्री ने बताया कि कई बार पुराने नियमों में खामियों या बिल्डरों की गलतियों की वजह से ओसी नहीं मिल पाए। अब 2 अक्तूबर से नई नीति लागू होगी। नई नीति के तहत जिन इमारतों में निर्माण के समय तकनीकी या प्रशासनिक गलतियों, फ्लोर स्पेस में अंतर, सेटबैक इश्यूज या नियमों में बदलाव की वजह से ओसी रुका था, उन्हें राहत दी जाएगी।

रिहायशियों पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा- मंत्री

आशीष शेलार ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मामलों में बिल्डरों ने अधिकारियों को जरूरी फ्लैट या जगह नहीं दी, उनमें रिहायशियों पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी होगी। उन्होंने हाउसिंग सोसाइटियों से अपील की कि वे खुद आवेदन करें। पहले छह महीने में आवेदन करने पर कोई पेनल्टी नहीं लगेगी। लेकिन यदि इमारत में अतिरिक्त फ्लोर स्पेस इंडेक्स का इस्तेमाल हुआ है, तो उसका प्रीमियम देना होगा।

नागपुर में बोले मोहन भागवत

'भारत में देव भक्ति और देश भक्ति अलग नहीं'

नागपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत में देव भक्ति और देशभक्ति अलग-अलग नहीं है। इनके लिए दो अलग-अलग शब्द हैं, लेकिन जो देवभक्त होता है, वह स्वाभाविक रूप से देशभक्त भी होता है, और जो देशभक्त होता है, ईश्वर उससे भी देवभक्ति करा लेते हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम सत्य तक पहुंचने के 108 अलग-अलग मार्ग हैं, लेकिन सबको एक ही सत्य तक पहुंचना है।

अपने जन्मदिन (11 सितंबर) से ठीक एक दिन पूर्व नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में हर तरह का विकास हो रहा है, लेकिन इसके बाद भी लोगों के पास संतोष नहीं है। इसका कारण यह है कि उन्होंने विकास में सुख देखा, लेकिन अब यह अनुभव में आ रहा है कि केवल विकास से सुख नहीं आता। बल्कि दूसरों के लिए निःस्वार्थ भाव से कुछ करने से

ही संतोष प्राप्त होता है।

सरसंघचालक ने कहा कि लोग मानते हैं कि राम ने उत्तर भारत को दक्षिण से जोड़ा। इसी तरह भगवान कृष्ण ने पूर्व को पश्चिम से जोड़ा। उन्होंने कहा कि, लेकिन भगवान शिव हर कण में विद्यमान हैं और वे हर कण को आपस में जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से देखने से यह समझ आता है कि कोई पराया नहीं है। वर्तमान में लोगों के स्वरूप अलग-अलग दिख सकते हैं, लेकिन अंतिम रूप से सभी एक हैं और इसलिए आपस में एक दूसरे से संबंधित हैं।

भागवत ने कहा कि भारत हजारों साल से विद्यमान है। यहां तपस्या का महत्त्व है। जो व्यक्ति स्वयं को प्राप्त कर लेता है, उसे यह समझ आ जाता है कि कोई पराया नहीं है, और सबके लिए निःस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने बच्चों की सेवा करते हैं। लेकिन इसके पीछे कोई कांट्रैक्ट नहीं होता कि वे बड़े होकर उनकी भी सेवा करेंगे। लेकिन बच्चे बाद में समझते हैं कि उन्हें भी अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा लोगों को एक दूसरे से जोड़ती है। श्री श्री रविशंकर ने कहा कि डॉ. मोहन भागवत कर्मनिष्ठ और सेवा में समर्पित हैं। वे अपना पूरा समय देश-समाज के लिए देते हैं। उन्होंने कहा कि भागवत के मार्गदर्शन से करोड़ों लोग देशभक्ति और धर्म की स्थापना में लगे हैं।

मुंबई प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा का हिंदी दिवस सम्मान समारोह 13 सितंबर को हिंदी पत्रकारिता, साहित्य और शिक्षा के अग्रदूत होंगे सम्मानित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा द्वारा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार, 13 सितंबर 2025 को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सायं 4 से 6 बजे तक श्री नजमा हेपतुल्लाह वेलफेयर हॉल, एस. बैंक के पास, सांताक्रुज़ हाईवे, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई - 55 में आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता प्रख्यात विद्वान डॉ. विपिनचंद्र मेहता करेंगे।

संस्था के मंत्री और संचालक श्री बृजेश तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर हिंदी पत्रकारिता, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, शिक्षा और साहित्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वानों को सम्मानित किया जाएगा। स्व. कांतिलाल जोशी स्मृति सम्मान गुजरात प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा के मंत्री-संचालक श्री शरद अरविंद जोशी को प्रदान किया जाएगा। वहीं अखिल भारतीय हिंदी सेवी सम्मान से यशोभूमि के संपादक श्रीनारायण तिवारी, टीवी.9 महाराष्ट्र के ब्यूरोचीफ श्री जयप्रकाश सिंह, सुप्रसिद्ध शिक्षाविद एवं साहित्यकार श्री दिनेश भट्ट और सुप्रसिद्ध शिक्षाविद और साहित्यकार प्रो. दयानंद तिवारी को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम के संयोजक संस्था के कोषाध्यक्ष डॉ. महेंद्र मिश्र हैं। सभा ने सभी गणमान्य नागरिकों, विद्वानों और हिंदीप्रेमियों से अपील की है कि वे इस अवसर पर पधारकर कार्यक्रम की गरिमा और सफलता में सहभागिता निभाएँ।

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

निविदा क्र. : सोला/क.वि./नि/2025/20

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त, अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। निविदा क्र. सोला/क.वि./नि./2025/20 **कार्य का नाम** : सोलापुर डिवीजन के टर्नआउट और क्रॉसओवर स्थानों पर 105 वर्ग मिमी जम्पर के स्थान पर 160 वर्ग मिमी जम्पर का प्रावधान कर के ओएचई का उन्नयन। **अनुमानित लागत** : रु. 2,09,93,886/- **बयाना राशि** : रु. 2,55,000/- **कार्य पुरा करने की अवधि** : 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता** : 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय** : दि. 03.10.2025 को 15.00 बजे। 59

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल

भुसावल मंडल

निविदा सं. : BSL-L-W-T-41-2025

निविदा सं. : BSL-L-W-T-41-2025 **कार्य का विवरण** : भुसावल स्टेशन पर पुराने एन-टाइप गर्डर खंडवा छोर फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) को प्लेट गर्डर का प्रकार फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) से बदलने के संबंध में विद्युतीकरण कार्य। **2) अनुमानित लागत** : रु. 73,18,917/-, **3) ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय** : 01.10.2025 को 15.00 बजे, **4) वेबसाईट विवरण** : **https://www.ireps.gov.in** 07

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मराठा आरक्षण पर संग्राम, सरकार के कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के आरक्षण के मामले में राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज हो गई है। इसी सिलसिले में चर्चा ज्यादा तेज तब हो गई जब राज्य सरकार की तरफ से मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। सरकार के इस निर्णय के खिलाफ दो नई याचिकाएं दायर की गई हैं। साथ ही एक पुरानी याचिका में भी बदलाव कर इसे चुनौती देने की अनुमति मांगी गई है। मामले में याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि यह निर्णय असंवैधानिक, मनमाना और कानून के खिलाफ है।

याचिकाओं में कहा गया है कि यह फैसला केवल राजनीतिक लाभ के लिए लिया गया है ताकि मराठा समुदाय को खुश किया जा सके। इतना ही नहीं एक याचिका में कहा गया है कि सरकार खुद ही इस मुद्दे पर बार-बार अपने रुख में बदलाव कर रही है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने के फैसले को लेकर कहा था कि इस फैसले से उन्हें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण का लाभ मिल सकेगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश करेंगे सुनवाई

इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंकद की पीठ करेगी। हालांकि इससे पहले ओबीसी वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष याचिकाकर्ता मनोज ससाने ने पहले भी मराठाओं को ओबीसी में शामिल करने के खिलाफ याचिका दायर की थी। आसे में अब उन्होंने अपनी याचिका में संशोधन कर हालिया सरकारी फैसले को भी चुनौती देने की अनुमति मांगी है। कोर्ट ने उन्हें इसके लिए आवेदन दाखिल करने को कहा है।इसके साथ ही वकील विनीत विनोद धोत्रे द्वारा दायर एक जनहित याचिका में कहा गया है कि सरकार ने मराठा समुदाय को ओबीसी का दर्जा देकर असली ओबीसी वर्गों के हक को नुकसान पहुंचाया है। सुनवाई पूरी होने तक रोक की मांग

इतना ही नहीं एक अन्य याचिका शिव अखिल भारतीय वीरशैव युवक संगठन नामक ट्रस्ट ने दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि कई आयोगों की रिपोर्टें पहले ही यह बता चुकी हैं कि मराठा और कुनबी एक ही नहीं हैं। इन याचिकाओं में सरकार के फैसले को रद्द करने और जब तक सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस पर रोक लगाने की मांग की गई है।

एनसीपी एसपी नेता जितेंद्र अव्हाड की मांग- बंजाराओं को भी मिले आरक्षण

उधर दूसरी ओर एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने मांग की है कि अगर महाराष्ट्र सरकार राज्य में हैदराबाद गजट लागू कर मराठा समुदाय को कुनबी प्रमाणपत्र दे रही है, तो बंजारा समुदाय को भी उसी गजट के तहत अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा और आरक्षण दिया जाना चाहिए। आव्हाड ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं यह मांग लंबे समय से कर रहा हूं और इसके लिए सारे सबूत भी पेश किए गए हैं। अगर हैदराबाद गजट महाराष्ट्र में लागू हो रहा है, तो बंजाराओं को भी उसी आधार पर एसटी आरक्षण मिलना चाहिए।

बता दें कि बीते दो सितंबर को महाराष्ट्र सरकार ने हैदराबाद गजट को लागू करते हुए एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी किया था। इसके तहत उन मराठाओं को कुनबी जाति प्रमाणपत्र दिया जाएगा, जो यह साबित कर सकें कि उनके पूर्वजों को कुनबी माना गया था। इससे उन्हें ओबीसी आरक्षण का लाभ मिलेगा।

मराठा आरक्षण की मांग और महाराष्ट्र में रार

गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने यह फैसला उस समय लिया, जब मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे ने बीते 29 अगस्त से मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल शुरू की थी। उनके आंदोलन के चलते दक्षिण मुंबई के कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ। इस दबाव के बीच, सरकार ने दो सितंबर को एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी कर कहा कि जिन मराठाओं के पास पुराने दस्तावेजों में खुद को कुनबी बताया गया है, उन्हें कुनबी जाति प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इसके लिए एक समिति का गठन भी किया गया है। हालांकि, सरकार के इस कदम से ओबीसी वर्गों में नाराजगी देखी जा रही है, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनके आरक्षण का हिस्सा कम हो जाएगा।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

हाइड्रोलिक इंजीनियर्स विभाग

सं. AEOC/3076/TM दिनांकः 11.09.2025

निविदा सूचना

बृहन्मुंबई नगर निगम के आयुक्त पात्र बोलीदाताओं से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। बोली प्रारंभ तिथि और समय BMC की वेबसाइट पर निविदा अनुभाग और महाटेंडर पोर्टल के अंतर्गत विस्तृत निविदा सूचना में निर्दिष्ट है।

निविदा संख्या - 2025_MCGM_1217377_1

कार्य का नामः AEOC(TM) प्रभाग के अंतर्गत पवई झील के इनटेक वेल में विभिन्न मरम्मत कार्य।

इच्छुक निविदाकर्ता निविदा के बारे में अधिक जानकारी के लिए BMC की वेबसाइट https://portal.mcgm.gov.in और महाटेंडर पोर्टल की वेबसाइट https://mahatenders.gov.in पर जाएँ।

अधिशासी अभियंता
(मुख्यालय) जल कार्य

पीआरओ/1557/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

नागरिक-केंद्रित 'आपले सरकार 2.0' पोर्टल लागू किया जाए-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

राज्य सरकार ने 'जीवन सुगमता' को बेहतर बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य सरकार ने नागरिकों को सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ सहज और सुविधाजनक तरीके से पहुँचाने के लिए एक और कदम आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार तकनीक का उपयोग करके नागरिकों को योजनाओं और सेवाओं का लाभ यथासंभव सुविधाजनक तरीके से प्रदान करने का प्रयास कर रही है।

सह्याद्रि अतिथि गृह में समग्र संस्था के साथ 'शासन प्रक्रिया पुनर्रचना' पर एक बैठक आयोजित की गई। सभी सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ 'आपले सरकार' पोर्टल के माध्यम से प्रदान किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने निर्देश दिया कि अन्य विभागों के पोर्टल या ऐप को भी इस पोर्टल पर एकीकृत किया जाए।

बैठक में सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, मुख्य सचिव राजेश कुमार, राज्य सेवा पात्रता गारंटी आयोग के मुख्य आयुक्त मनुकुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे।

राज्य सरकार 'शासन' में सुधार करके नागरिकों के 'जीवन को सुगम बनाने' के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागरिक-केंद्रित 'आपले सरकार 2.0' पोर्टल को तकनीक-अनुकूल बनाने और 2 अक्टूबर तक इसे लागू करने के निर्देश दिए ताकि सभी को कम समय में और बिना किसी परेशानी के योजनाओं और सरकारी सेवाओं का लाभ मिल सके।

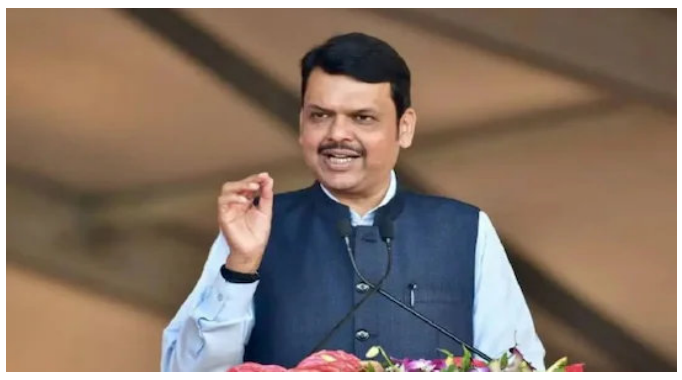

मुख्यमंत्री ने नागरिकों को मिलने वाले सेवाओं की गारंटी दे रहे हैं, लेकिन अब से नागरिकों को पात्रता मानदंडों के आधार पर योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। नागरिकों द्वारा आवेदन करने के बाद, उन्हें पूरी प्रक्रिया की जानकारी ऑनलाइन दी जानी चाहिए। आवेदक नागरिकों को उनके

लाभों और सेवाओं को आसान बनाने के लिए किए जाने वाले बदलावों को 26 नवंबर संविधान दिवस, 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस और 1 मई 2026 महाराष्ट्र दिवस की तीन चरणों वाली योजना के अनुसार लागू करने के भी निर्देश दिए।

सेवा का अधिकार गारंटी अधिनियम में अब से योजनाओं के लाभों को शामिल करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, अभी हम केवल सेवा का अधिकार गारंटी अधिनियम में आवेदन की जानकारी हर चरण में प्रदान की जानी चाहिए। साथ ही, योजना का लाभ स्वीकृत होने या सेवाएँ प्राप्त होने के बाद, नागरिकों की प्रतिक्रियाएँ पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा होनी चाहिए। उनकी शिकायतों का समाधान भी ऑनलाइन ही किया जाना चाहिए। योजनाओं और सेवाओं का लाभ सरल तरीके से और कम समय में प्राप्त करने के लिए, मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि आवेदन में कॉलम की संख्या और संलग्न दस्तावेजों की संख्या कम की जानी चाहिए।

योजनाओं में आवेदन स्वीकृति की पूरी प्रक्रिया को चरणों को कम करके ऑनलाइन किया जाना चाहिए। सभी योजनाओं का लाभ महाडीबीटी पोर्टल के माध्यम से प्रदान किया जाना चाहिए। किसी भी तरह से ऑफलाइन पद्धति का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, योजनाओं का लाभ केवल ऑनलाइन प्रदान किया जाना चाहिए। प्रक्रिया इस तरह से की जानी चाहिए कि नागरिकों को सरकारी कार्यालयों में जाने की आवश्यकता न हो। ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि नागरिक ऑनलाइन पोर्टल पर ही आवेदन और सेवा स्वीकृति के चरणों को जान सकें। कुछ विभागों से जुड़ी सेवाओं और लाभों को पोर्टल पर एकीकृत किया जाना चाहिए। ये सेवाएं किसी भी तरह से एक ही पोर्टल के माध्यम से प्रदान की जानी चाहिए, मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने यह भी निर्देश दिया कि ये सेवाएं एक ही पोर्टल के माध्यम से प्रदान की जानी चाहिए।

राज्य सरकार व्हाट्सएप के माध्यम से सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में कार्रवाई कर रही है। व्हाट्सएप के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सरकारी सेवाओं की संबद्धता इस पोर्टल पर दी जानी चाहिए। इन सभी प्रयासों के माध्यम से, राज्य सरकार की भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सहज, सरल तरीके से और कम समय में मिले।

खेल संस्कृति के गुणात्मक विकास हेतु नई खेल नीति तैयार की जाए- उपमुख्यमंत्री अजीत पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने निर्देश दिए कि राज्य में खेल संस्कृति के गुणात्मक विकास और खेल क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए खेलों के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन कर नई खेल नीति तैयार की जाए।

खेल विभाग के विभिन्न मुद्दों पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की अध्यक्षता में मंत्रालय के समिति कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कटफल तालुका बारामती में प्रस्तावित जिला खेल परिसर की योजना प्रस्तुत की गई। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आधुनिक और उपयुक्त खेल सुविधाओं के निर्माण हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

राज्य के सभी खेल परिसरों का आधुनिकीकरण किया जाए। खिलाड़ियों को सभी प्रकार की सुविधाएँ, उपकरण और सामग्री उपलब्ध कराई जाए तथा उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण दिया जाए, तथा संभागीय, जिला और तालुका खेल परिसर समितियों का पुनर्गठन किया जाए, ऐसा उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर निर्देश दिया।

बैठक में विभिन्न देशों और भारत के विभिन्न राज्यों में खेल सुविधाओं की समीक्षा की गई। साथ ही, खेल क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) और सामाजिक उत्तरदायित्व निधि (सीएसआर) का प्रभावी उपयोग कैसे किया जा सकता है, इस पर भी चर्चा की गई।

खेल मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे, खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल दिग्गीकर, नियोजन विभाग के प्रधान सचिव सौरभ विजय, लोक निर्माण विभाग (निर्माण) के सचिव आबासाहेब नागरगोजे, वित्त विभाग (वित्तीय सुधार) की सचिव श्रीमती शैला ए., उपमुख्यमंत्री के सचिव डॉ. राजेश देशमुख मंत्रालय से उपस्थित थे, जबकि पुणे संभागीय आयुक्त डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार, खेल आयुक्त शीतल तेली-उगले, जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

पुलिस अदालतों की माँगों पर सकारात्मक रुख- विधानसभा उपाध्यक्ष अन्ना बनसोडे

मुंबई। विधानसभा उपाध्यक्ष अन्ना बनसोडे ने कहा कि राज्य में पुलिस समितियों की विभिन्न माँगों पर सकारात्मक विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिए जाएँगे। ग्रामीण कर्मचारी पुलिस पाटिल संघ की समस्याओं को लेकर विधान भवन में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संबंधित विभाग के प्रतिनिधि, संघ के पदाधिकारी और अन्य लोग उपस्थित थे। पुलिस कांस्टेबलों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष करने, उप-विभागीय अधिकारी स्तर पर पुलिस कांस्टेबलों से संबंधित शिकायतों की जाँच करने, रिक्त पदों को भरने और अन्य माँगों पर विस्तृत चर्चा हुई। उपाध्यक्ष अन्ना बनसोडे ने कहा कि चूँकि ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस थानों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए उनके मुद्दों पर गंभीरता और सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार किया जाएगा।

'मेरे खिलाफ पैसे देकर चलाया जा रहा राजनीतिक अभियान'; ई20 पेट्रोल की आलोचना पर नितिन गडकरी का पलटवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि ई20 मिश्रित ईंधन के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाया जा रहा

अभियान मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए है। इसे पैसे देकर चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के वार्षिक सम्मेलन में सवालों के जवाब दे रहे थे। यहां उनसे पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछा गया था।

गडकरी ने जवाब दिया कि ऑटोमोबाइल निर्माता और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया जैसी संस्थाओं ने पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण पर अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। मंत्री ने कहा, 'जिस तरह आपका उद्योग काम करता है, उसी तरह राजनीति भी काम करती है। सोशल मीडिया अभियान सशुल्क था। यह मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए था। इसमें कोई तथ्य नहीं है। सब कुछ स्पष्ट है। इथेनॉल मिश्रण आयात का विकल्प, लागत-प्रभावी, प्रदूषण-मुक्त और स्वदेशी है।'

गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात पर भारी रकम खर्च करता है। उन्होंने पूछा कि क्या जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने और बचाई गई राशि को भारतीय अर्थव्यवस्था में लगाने का प्रयास करना आर्थिक रूप से एक अच्छा कदम नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमने मक्का से इथेनॉल बनाया। इस कदम से किसानों को 45,000 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है।'

उद्धव और राज ठाकरे के साथ आने की अटकलें तेज; महाराष्ट्र में स्थानीय चुनावों से पहले बढ़ी हलचल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के वरिष्ठ नेता बाला नंदगांवकर ने गुरुवार को बड़ा बयान देते हुए कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के बीच लगातार बातचीत चल रही है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि उनकी पार्टी औपचारिक तौर पर इन चर्चाओं का हिस्सा नहीं है। बाला नंदगांवकर ने कहा, 'दोनों नेता आपस में जरूर चर्चा कर रहे हैं।' लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि बैठकों में किन मुद्दों पर बात हुई।

दो सप्ताह में दूसरी मुलाकात

बुधवार को उद्धव ठाकरे, मुंबई के दादर स्थित राज ठाकरे के घर 'शिवतीर्थ' पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच लगभग ढाई घंटे तक मुलाकात चली। यह पिछले दो हफ्तों में उनकी दूसरी औपचारिक मुलाकात थी। इससे पहले जुलाई में, उद्धव और राज ठाकरे एक ही मंच पर नजर आए थे जब राज्य सरकार को कक्षा 1 से 5 तक के लिए तीन भाषा फार्मूला वापस लेना पड़ा था। जुलाई के आखिर में राज ठाकरे, उद्धव को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने 'मातोश्री' (उद्धव का निवास) भी गए थे। इसके बाद से उनकी मुलाकातों का सिलसिला बढ़ गया है।

स्थानीय चुनावों से पहले बढ़ी हलचल

इन मुलाकातों ने राजनीतिक हलकों में कयास तेज कर दिए हैं कि उद्धव और राज ठाकरे स्थानीय निकाय चुनावों, खासकर बीएमसी (बृहन्मुंबई महानगरपालिका) चुनाव से पहले साथ आने की तैयारी कर रहे हैं। 2024 के विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों को करारी हार का सामना करना पड़ा था। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह हार ही दोनों को एकजुट होने की दिशा में सोचने के लिए मजबूर कर रही है।

मनसे की संभावित रणनीति

जब बाला नंदगांवकर से पूछा गया कि क्या मनसे, महा विकास आघाड़ी (एमवीए)- जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार गुट) शामिल हैं- का हिस्सा बनेगी, तो उन्होंने कहा, 'इस पर फैसला पार्टी हाईकमान लेगा। अलग-अलग पार्टियों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। राज ठाकरे सभी पहलुओं पर विचार कर आगे की रणनीति तय करेंगे।' उन्होंने यह भी बताया कि राज ठाकरे ने मनसे के कुछ नेताओं को बुलाकर नागरिक चुनावों को लेकर उनकी राय जानी है।

ठाकरे भाइयों पर भाजपा का तंज

उद्धव-राज की बढ़ती नजदीकियों पर महाराष्ट्र बीजेपी के मीडिया प्रमुख नवनाथ बान ने तंज कसा। उन्होंने कहा, 'यह मुलाकात शायद राम और भरत जैसी हो सकती है, जहां राम ने भरत को अपनी जगह राज करने का अधिकार दिया था। या फिर यह महाभारत के कौरव और पांडव जैसी भी हो सकती है, जहां पांडव अपना हक मांगने के लिए तैयार थे।' उन्होंने कहा कि संजय राउत को इस तुलना पर जवाब देना चाहिए।

संजय राउत बोले- निजी मुलाकात

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने हालांकि राजनीतिक अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा, 'उद्धव और राज ठाकरे चचेरे भाई हैं। उनका आपस में मिलना स्वाभाविक है। यह पूरी तरह निजी मुलाकात थी, इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।'

अंतर्राष्ट्रीय बांस दिवस के अवसर पर मुंबई में दो दिवसीय बांस सम्मेलन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। फीनिक्स फाउंडेशन और महाराष्ट्र सरकार के महाराष्ट्र परिवर्तन संस्थान (श्छ्ळैं) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बांस दिवस के अवसर पर मुंबई में दो दिवसीय बांस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जलवायु परिवर्तन के संकट को रोकने, मानव जाति को बचाने और अंतर्राष्ट्रीय बांस दिवस के उपलक्ष्य में, 18 और 19 सितंबर 2025 को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान सभागार में दो दिवसीय बांस सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

यह महत्वपूर्ण सम्मेलन 'लोगों, ग्रह और समृद्धि के लिए बांसः हरा सोना, हरित ऊर्जा, हरित पृथ्वी' की अवधारणा के साथ आयोजित किया गया है। यह दो दिवसीय सम्मेलन पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को एक नई दिशा प्रदान करेगा। राज्य कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पर्यावरण सतत विकास कार्य बल के कार्यकारी अध्यक्ष पाशा पटेल ने सम्मेलन की जानकारी देते हुए कहा। आज पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों का सामना कर रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण वनाग्नि, बादल फटने, बाढ़ और लू जैसी आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि हुई है। पाशा पटेल ने कहा कि बाँस एक 'कल्पवृक्ष' है और कार्बन अवशोषण, वनों की कटाई रोकने और जैव ईंधन उत्पादन में उपयोगी है।

पाशा पटेल ने कहा, 'मुंबई के यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान सभागार में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में दुनिया भर और राज्य भर से विशेषज्ञों, विद्वानों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, किसानों और नीति निर्माताओं को आमंत्रित किया गया है। मानव जाति के अस्तित्व पर दो दिवसीय सम्मेलन और महत्वपूर्ण चर्चा का आयोजन फीनिक्स फाउंडेशन, लोदगा, लातूर जिले और महाराष्ट्र सरकार के 'महाराष्ट्र परिवर्तन संस्थान' (मित्रा) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। समय के कदमों को पहचानकर मानव जाति की रक्षा करने के लिए 18 और 19 सितंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मुख्यमंत्री फडणवीस के साथ उपस्थित रहेंगे।'

इस सम्मेलन में आयोजित होने वाले दो दिवसीय सेमिनार में बांस से लेकर इथेनॉल, मेथनॉल, तापीय ऊर्जा के लिए बांस की पट्टियाँ, लौह कोयला, लकड़ी, फर्नीचर, बांस के वस्त्र, कौशल, पर्यावरण, प्लास्टिक मुक्ति और सतत विकास की दिशा में कदम जैसे कई उद्योगों पर चर्चा होगी। इस सम्मेलन से शहरी वन, ऑक्सीजन पार्क, हरित भवन जैसे कई नवाचार सामने आएंगे।

बांस सम्मेलन महाराष्ट्र को बांस की राजधानी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन में दुनिया भर के विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, उद्यमी, किसान और नीति निर्माता भाग लेंगे।

नाबार्ड के अंतर्गत सिंचाई परियोजनाएँ समय-सीमा में पूरी की जाएँ- जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। जल संसाधन (गोदावरी एवं कृष्णा बेसिन विकास निगम) मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटिल ने 'नाबार्ड' के अंतर्गत सिंचाई परियोजनाओं की योजना, अनुमोदन और क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा इन परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटिल ने मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में नाबार्ड के अंतर्गत प्रस्तावित (अधूरी परियोजना) परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव संजय बेलसारे, कृष्णा बेसिन विकास निगम के कार्यकारी निदेशक श्री गुनाले, गोदावरी बेसिन विकास निगम के कार्यकारी निदेशक संतोष तिरमनवार, मुख्य अभियंता एवं संयुक्त सचिव प्रसाद नार्वेकर, संजीव टाटू, अधीक्षण अभियंता प्रवीण कोल्हे आदि उपस्थित थे।

जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटिल ने कहा कि जिन परियोजनाओं का कार्य अंतिम चरण में है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, 2025-26 और 2026-27 में पूरी होने वाली परियोजनाओं को त्वरित गति से पूरा करने और इन परियोजनाओं को एक वर्ष में पूरा करने की योजना बनाना आवश्यक है। एक वर्ष में पूरी होने वाली परियोजनाओं की एक अलग सूची बनाई जाए और उसके अनुसार उन परियोजनाओं के कार्य में तेजी लाई जाए। चूँकि इन परियोजनाओं के पूरा होने से सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि होगी, इसलिए इन कार्यों में तेजी लाई जाए। परियोजना कार्य के लिए उपलब्ध धनराशि का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए और आवश्यक धनराशि भी उपलब्ध कराई जाए।

कोल्हापुर शैली के बांध को बैराज बांध में बदलने का प्रस्ताव तुरंत प्रस्तुत किया जाए। प्रस्तावित कार्यों, सर्वेक्षण और अन्वेषण के संबंध में विस्तृत योजना बनाई जाए। नगर निगम, नगर पालिका और ग्राम पंचायत से जल शुल्क की वसूली के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाए। इस संबंध में प्रत्येक कार्यकारी अभियंता स्तर पर एक टास्क फोर्स का गठन किया जाए, यह भी श्री विखे-पाटिल ने निर्देश दिया।

कृष्णा बाढ़ नियंत्रण परियोजना, निर्माण, प्रबंधन, यांत्रिक, विद्युत, गुणवत्ता नियंत्रण आदि सभी शाखाओं को विलय करके और सरकार के अन्य विभागों की तरह स्थापना का पुनर्गठन करके नहर निरीक्षक, लेखाकार, कार्यालय क्लर्क (क्लास -3) के पदों की लंबित मांग पर भी समीक्षा की गई।

'खून और क्रिकेट साथ-साथ कैसे चलेंगे?' भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर शिवसेना ने दी प्रदर्शन की चेतावनी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर देश में सियासी पारा चरम पर है। इसे लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, '...हम इस भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध करेंगे। महिलाएं सड़कों पर उतरेंगी और हमारा अभियान 'सिंदूर रक्षा अभियान' है... आपने कहा था कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे। अगर पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे, तो खून और क्रिकेट साथ-साथ कैसे चलेंगे? यह देशद्रोह है, बेशर्मी है।'

उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, यह अभी भी जारी है। पहलगाम में हमारी 26 महिलाओं का सिंदूर मिटा दिया गया। उनका दर्द, दुख और गुस्सा खत्म नहीं हुआ है। आज भी वे सदमे में हैं। आप लोग अबू धाबी में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। यह बेशर्मी है, यह देशद्रोह है। मेरा सवाल भाजपा से है, सरकार से नहीं। मेरा सवाल विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस, बजरंग दल से है। इसमें आपकी कोई भूमिका है या नहीं?'

मैच के देश में सीधे प्रसारण पर रोक लगाने की मांग

इससे पहले उद्धव गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एशिया कप में संभावित भारत-पाकिस्तान मैच के देश में सीधे प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की थी। उन्होंने पिछले महीने ही राष्ट्रीय हित और जनभावना का हवाला देते हुए मैच का सीधा प्रसारण बंद करने के लिए सरकार को पत्र लिखा था।

अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में प्रियंका चतुर्वेदी ने क्या कहा था?

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा था, 'मैं आपको गहरी पीड़ा और चिंता के साथ लिख रही हूं, न केवल एक संसद सदस्य के रूप में, बल्कि इस देश के नागरिक के रूप में भी, जो अभी भी इस साल पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में जानमाल के नुकसान का गम भूल नहीं पाया है। इस हमले के बाद सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो एक आतंकवाद-रोधी अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान को आतंकवाद के निरंतर प्रायोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेह ठहराना था। आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता का संदेश लेकर एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजा गया था, जिसमें मैं भी शामिल थी, लेकिन भारत सरकार का क्रिकेट मैचों के आयोजन का यह निर्णय मुझे और मेरी अंतरात्मा को पूरी तरह से अस्वीकार्य है।'

सम्पादकीय

चीन से करीबी और भारत से दूरी के अलावा Hindu राष्ट्र का तमगा हटाना नेपाल को पड़ा भारी

नेपाल में आज जिस तरह लोकतंत्र भरभराकर ढह गया उससे देश के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है। देखा जाये तो नेपाल की घटनाएं केवल राजनीतिक संकट नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को झकझोर देने वाली चेतावनी हैं। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारी जनाक्रोश और हिंसा के बीच इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और कई वरिष्ठ नेताओं के घरों पर हमले हुए जिसके बाद उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया। इसके अलावा, संसद, सर्वोच्च न्यायालय और सरकारी दफ्तरों को आग के हवाले कर दिया गया। सड़कों पर युवा प्रदर्शनकारियों ने न केवल मंत्रियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा बल्कि राजधानी काठमांडू तक को असुरक्षित बना दिया। यह दृश्य नेपाल की राजनीति और लोकतंत्र की दिशा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

देखा जाये तो इस पूरे आंदोलन की पृष्ठभूमि में भ्रष्टाचार विरोधी जनाक्रोश और जेन-जेड की अगुवाई वाला असंतोष है। सरकार द्वारा सोशल मीडिया प्रतिबंध ने आग में घी डालने का काम किया, जिसे अंततः वापस लेना पड़ा। लेकिन तब तक हालात बेकाबू हो चुके थे। लगभग 20 से ज्यादा लोगों की जान गई, सैंकड़ों घायल हुए और नेपाल की नाजुक राजनीतिक व्यवस्था फिर से हिल गई।

नेपाल का यह संकट भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया के लिए चिंता का विषय है। इसके चलते भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ानी पड़ी है। यदि अस्थिरता लंबी खिंचती है तो यह भारत की सुरक्षा और व्यापार दोनों को प्रभावित करेगी। यहां यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि हाल के वर्षों में नेपाल का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है। लेकिन अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या काठमांडू की बीजिंग-नज़दीकी ने ही उसकी राजनीति को और उलझा दिया है? चीन की मदद से आर्थिक विकास की अपेक्षा थी, लेकिन जनता को न भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली, न रोज़गार।

देखा जाये तो दक्षिण एशिया में नेपाल को अक्सर 'नए लोकतंत्र' के रूप में देखा जाता था। यदि यहां संस्थाएँ भीड़तंत्र के सामने कमजोर साबित होती हैं, तो यह क्षेत्रीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रतिष्ठा पर भी आघात है। जब संसद और सर्वोच्च न्यायालय जैसी संस्थाओं पर भीड़ हमला करती है, तो यह संकेत है कि जनविश्वास बुरी तरह टूटा है। सवाल यह है कि क्या नेपाल का लोकतंत्र इस बार फिर से खुद को पुनर्जीवित कर पाएगा, या हिंसा और अराजकता उसका स्थायी चेहरा बन जाएगी।

हम आपको याद दिला दें कि 2006 के बाद नेपाल ने खुद को हिंदू राष्ट्र से धर्मनिरपेक्ष गणराज्य घोषित किया। इसलिए आज यह प्रश्न भी खड़ा हो रहा है कि क्या इस निर्णय से जनता का बड़ा वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस करता है और हालिया असंतोष इसी से उपजा है? हालात को देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि धर्मनिरपेक्ष पहचान ने नेपाल में गहरे सामाजिक द्वंद्व को जन्म दिया है। समाज का एक बड़ा हिस्सा इस बदलाव को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से विच्छेद मानता है।

साथ ही राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री का इस्तीफा एक समाधान नहीं, बल्कि अस्थायी मरहम है। जब तक राजनीतिक दल जनता को पारदर्शिता और जवाबदेही का भरोसा नहीं देंगे, तब तक संकट दोहराता रहेगा। देखा जाये तो नेपाल के युवाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अब भ्रष्टाचार, परिवारवाद और सत्ता के दुरुपयोग को सहन नहीं करेंगे। लेकिन क्या यह ऊर्जा लोकतांत्रिक पुनर्निर्माण में लगेगी, या अराजकता और हिंसा में बदल जाएगी, यह नेपाल के भविष्य का निर्णायक प्रश्न है। इसके अलावा, चीन के साथ बढ़ती निकटता ने नेपाल को आर्थिक और सामरिक लाभ तो नहीं दिलाया, उल्टे नई निर्भरता और असंतोष पैदा कर दिया। भारत से दूरी और चीन पर भरोसा करना शायद नेपाल की कूटनीतिक भूल साबित हो रहा है।

हिंदी दिवस और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी का स्वरूप

'मानस भवन में आर्यजन जिसकी उतारें आरती, भगवान्! भारतवर्ष में गूँजे हमारी भारती।'

प्रो. दयानंद तिवारी
अध्यक्ष
हिंदी साहित्य भारती,
महाराष्ट्र राज्य

यह भाव केवल एक स्तुति नहीं, बल्कि हिंदी भाषा के महत्व का शाश्वत उद्घोष है। हिंदी दिवस का उत्सव हमें स्मरण कराता है कि यह भाषा केवल भारत की नहीं, बल्कि विश्व की भी आत्मा बन चुकी है।

आज के युग में भाषा की भूमिका केवल संवाद तक सीमित नहीं रही है। वह संस्कृति की धुरी, राजनीति का आधार, अर्थव्यवस्था का उपकरण और तकनीक का वाहक बन चुकी है। हिंदी इन सभी भूमिकाओं में आज अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है।

हिंदी की वर्तमान स्थिति -

भारत की 2011 की जनगणना बताती है कि लगभग 43 प्रतिशत भारतीय हिंदी को मातृभाषा मानते हैं और 73 प्रतिशत से अधिक इसे संपर्क भाषा के रूप में अपनाते हैं। यह केवल सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि यह हिंदी की सामाजिक शक्ति का प्रमाण है। आज भारत में लगभग 55 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं और विश्व के 150 से अधिक देशों में हिंदी का प्रयोग किसी न किसी रूप में हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने हिंदी को विश्व की तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा माना है। कुछ शोध बताते हैं कि हिंदी विश्व की सर्वाधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा बन गई है। विश्व हिंदी सम्मेलन, प्रवासी भारतीय सम्मेलन और भारतीय कूटनीतिक प्रयासों के कारण हिंदी का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बढ़ रहा है।

14 सितंबर और संविधान का अमर मिलन

14 सितंबर 1949 यह तिथि केवल कैलेंडर का अंक नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का शिलालेख है। इसी दिन संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि सहित भारत की राजभाषा का ताज पहनाया। अनुच्छेद 343 में अंकित यह निर्णय केवल भाषा का चयन नहीं था, बल्कि भारतीयता की धड़कनों को शब्द देने का संकल्प था। अंग्रेज़ी के सह-अस्तित्व के बीच हिंदी को राष्ट्रीय चेतना की शिराओं में प्रवाहित करने का यह क्षण इतिहास में अमिट हो गया। तभी से 14 सितंबर हिंदी दिवस के रूप में न केवल मनाया जाता है, बल्कि संविधान और संस्कृति के अद्भुत संगम की तरह हृदय को चमत्कृत कर देता है।

हिंदी की आवश्यकता

हिंदी की प्रासंगिकता चार स्तरों पर विशेष रूप से दिखाई देती है–

सांस्कृतिक स्तर पर - हिंदी भारतीय इतिहास, साहित्य और दर्शन की संवाहक है। बदलते सामाजिक परिदृश्य में सांस्कृतिक जड़ों को सुरक्षित रखने हेतु हिंदी आवश्यक है।

राजनीतिक स्तर पर - भारत की संघीय संरचना में हिंदी संपर्क भाषा का कार्य करती है। विभिन्न राज्यों के बीच संवाद का सबसे सुगम साधन हिंदी ही है।

आर्थिक स्तर पर - हिंदी भाषी उपभोक्ता वर्ग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ आज विज्ञापन, ऐप्स और सेवाएँ हिंदी में प्रस्तुत कर रही हैं।

तकनीकी स्तर पर - डिजिटल युग में हिंदी का स्थान अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में हिंदी अंग्रेज़ी से आगे निकल रही है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी -

हिंदी केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक समाज की भी भाषा है। मॉरीशस, फ़िजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, गुयाना और नेपाल जैसे देशों में हिंदी का जनजीवन से सीधा संबंध है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और यूएई में प्रवासी समुदाय ने हिंदी को जीवंत बनाए रखा है।

विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों–ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड, कैम्ब्रिज, टोक्यो, पेरिस और मॉस्को–में हिंदी का अध्ययन और शोध कार्य हो रहा है। यह हिंदी की शैक्षणिक वैश्विक प्रतिष्ठा का द्योतक है।

मीडिया और संचार में हिंदी -

समाचार पत्र, टीवी चैनल, वेब पोर्टल, ब्लॉग, यूट्यूब और पॉडकास्ट पर हिंदी का वर्चस्व दिनोदिन बढ़ रहा है। हिंदी डिजिटल कंटेंट की खपत अंग्रेज़ी की तुलना में दोगुनी गति से बढ़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंदी उपभोक्ताओं का सबसे बड़ा वर्ग उपस्थित है।

गूगल, फेसबुक, नेटफ़्लिक्स और अमेज़न जैसी वैश्विक कंपनियाँ अपने कंटेंट का हिंदी संस्करण प्रस्तुत कर रही हैं। OTT प्लेटफ़ॉर्म पर हिंदी सामग्री की माँग विश्व स्तर पर तेजी से बढ़ रही है।

युवाओं और हिंदी का भविष्य -

आज का युवा वर्ग वैश्विक नागरिक है। वह इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर सक्रिय है। अच्छी बात यह है कि यह पीढ़ी हिंदी को केवल मातृभाषा नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति का साधन मानकर उसका उपयोग कर रही है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब शॉर्ट्स, ट्विटर और ब्लॉगिंग में हिंदी की लोकप्रियता इसका प्रमाण है।

युवाओं के लिए हिंदी में कंटेंट निर्माण, अनुवाद, डिजिटल विज्ञापन और भाषा-तकनीकी (AI, मशीन ट्रांसलेशन, स्पीच-टू-टेक्स्ट) में अपार संभावनाएँ हैं।

हिंदी का साहित्यिक और वैज्ञानिक महत्व -

हिंदी साहित्य आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक भारतीय जीवन का दर्पण रहा है। तुलसी, कबीर, मीरा से लेकर प्रेमचंद और निराला तक हिंदी साहित्य ने सामाजिक चेतना को दिशा दी। आज भी हिंदी साहित्य में उपन्यास, कविता, आलोचना और नाटक का विशाल भंडार है।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी हिंदी का महत्व बढ़ रहा है। चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए हिंदी में शब्दावली विकसित की जा रही है। भारत सरकार की ई-गवर्नेंस योजनाएँ हिंदी के माध्यम से जनता तक पहुँच रही हैं।

चुनौतियाँ और संभावनाएँ -

हिंदी के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं–अंग्रेज़ी का वर्चस्व, तकनीकी शब्दावली का अभाव, क्षेत्रीय भाषाओं के साथ सामंजस्य का प्रश्न और अकादमिक स्तर पर सीमित प्रयोग।

लेकिन संभावनाएँ कहीं अधिक उज्ज्वल हैं। डिजिटल क्रांति ने हिंदी को वैश्विक मंच प्रदान किया है। OTT प्लेटफ़ॉर्म, ऑनलाइन शिक्षा, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हिंदी को नई दिशा दे रहे हैं। आने वाले समय में हिंदी कंटेंट का वैश्विक बाज़ार अरबों डॉलर का हो सकता है।

भविष्य की दिशा

हिंदी को भविष्य की भाषा बनाने के लिए हमें कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

शिक्षा और प्रशासन में हिंदी को वैज्ञानिक और व्यावहारिक भाषा के रूप में विकसित करना।

तकनीकी क्षेत्र में हिंदी डेटा और AI मॉडल का विस्तार करना।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए कूटनीतिक प्रयास बढ़ाना।

साहित्य, संगीत और फिल्मों के माध्यम से हिंदी को वैश्विक लिंग्वा फ्रांका बनाना।

उपसंहार

हिंदी केवल भारत की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, मूल्य और परंपरा की जीवंत आत्मा है। हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि इस भाषा का संरक्षण और संवर्धन केवल सांस्कृतिक कर्तव्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक आवश्यकता है।

आज हिंदी का स्वर विश्वभर में गूँज रहा है। यदि हम इसे तकनीकी, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संदर्भों में और सशक्त करते रहे, तो निश्चय ही आने वाले दशकों में हिंदी विश्व की अग्रणी भाषाओं में स्थान प्राप्त करेगी। हिंदी दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि 'हिंदी केवल भाषा नहीं, भारत की आत्मा है, और जब यह आत्मा वैश्विक मंच पर गूँजेगी, तो भारत की पहचान और भी उज्ज्वल होगी।'

एक दस्तावेज ने मचाया पूरे पाकिस्तान में बवाल अचानक ट्रंप के पास क्यों पहुंची मुनीर की पत्नी

पाकिस्तान की राजनीति और सेना में एक पुरानी बीमारी घर कर चुकी है। अपनी मिट्टी से मोहब्बत कम और विदेशों की गोद में जाकर आराम फरमाने का लालच ज्यादा रहता है। जनरल से लेकर जर्नलिस्ट तक, सियासी लीडर से लेकर उनके परिवार तक हर कोई मेड इन पाकिस्तान तो जरूर होता है। लेकिन उनका दिल, उका भरोसा उनकी पूंजी और उनके बच्चे ज्यादातर विदेशों में ही होते हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान का सिस्टम, पाकिस्तान की राजनीति और पाकिस्तान की सेना तीनों की जड़ें खोखली होती जा रही हैं। पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों और नेताओं का लगाव अपने ही मुल्क से कम और विदेशों से ज्याद दिखाई देता है। रिटायरमेंट के बाद ये अक्सर दूसरे देशों में जाकर बस जाते हैं। इनके बच्चे भी बाहर ही पढ़ते हैं। सोशल मीडिया पर एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने सभी को चौंका दिया है। दावा किया गया है कि पाकिस्तान की आर्मी चीफ की पत्नी अमेरिका पहुंच गई है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की पत्नी शईदा इरम को लेकर बड़ी चर्चा चल रही है। आपको बता दें कि जिस वक्त भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था और पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नेस्तोनाबूद किया गया था। उस वक्त पाकिस्तान के कई एलिट क्लास लोगों ने अपने परिवार को देश से बाहर भेज दिया था। उनमें से एक पाकिस्तान के फेल्ड मार्शल आसिम मुनीर भी थे, जिन्होंने अपने परिवार को बाहर शिफ्ट करा दिया था। उस वक्त खबर आई थि कि उनकी पत्नी अमेरिका में जाकर छुप गई थी।

जून के पहले हफ्ते में इन्होंने अमेरिका की नागरिकता के लिए अप्लाई किया था। 22 जून को सारे जरूरी डॉक्यमेंट जमा करा आए। 22 अगस्त को आसिम मुनीर की पत्नी को अमेरिका की नागरिकता मिल गई। आसिम मुनीर की पत्नी का नाम शाहिदा इरम है और उनके तीन बच्चे हैं। आप तौर पर अमेरिका की नागरिकता पाने के लिए लोगों को कई प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। सालों लग जाते हैं। लेकिन मुनीर की पत्नी को तीन महीने भी नहीं लगे और अमेरिका की नागरिकता मिल गई। यानी सुपरफास्ट सर्विस के साथ।

आपको ये जानकर हैरानी होगी कि पाकिस्तान का कोई ऐसा आर्मी चीफ नहीं है जो अभी पाकिस्तान में रहता हो। अशफाक कियानी, राहिल शरीफ से लेकर निर्वतमान आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा तक सभी पाकिस्तान से बाहर हैं। यानी पाकिस्तान के आर्मी चीफ रिटायरमेंट के बाद अपना देश छोड़ देते हैं। ये 100 इ का ट्रैक रिकॉर्ड है। अब ऐसे में आसिम मुनीर की तरफ से परंपरा, प्रतिष्ठा और अनुशासन को कैसे तोड़ा जा सकता था। पहले परिवार को शिफ्ट कराया और फिर रिटायर होने के बाद खुद भी वहां की ओर रवाना होना पाकिस्तान के आर्मी चीफ का पुराना ढर्रा रहा हो। नवाज शरीफ तो ब्रिटेन में कई सालों से जमे बैठे हैं। वहीं मरियम नवाज से लेकर बिलावल तक सभी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है।

अमेरिका ने सीजफायर कराने का दावा किया और आसिम मुनीर ने ट्रंप को नोबेल प्राइज के लिए नॉमिनेट करने की बात कह डाली। इसके बाद स्टीफ विटकॉफ के बेटे जैक विटकॉफ आकर क्रिप्टोकरेंसी पुल को लेकर डील हुई थी। दुबई में बनी एक संदिग्ध ब्लॉकचेन फर्म हाईलैंड सिस्टम्स के जरिए यह सारा नेटवर्क खड़ा किया जा रहा है। हाईलैंड सिस्टम्स की मदद से पाकिस्तान सरकार ब्लॉकचेन और क्रिप्टो माइनिंग तकनीक विकसित करेगी। कंपनी में ट्रम्प के बेटे एरिक ट्रम्प और पाकिस्तान के टॉप मिलिट्री कॉन्ट्रैक्टर्स भी साझेदार हैं। आर्थिक अस्थिरता और सरकार की अमेरिका के साथ संबंध सुधारने की तत्परता जैसे कारण पाकिस्तान को ट्रम्प के कुनबे के लिए क्रिप्टो हब बनाने के लिए एक आदर्श देश बना रहे हैं। अब ऐसे में पाकिस्तान ने ट्रंप का फायदा करा दिया। अब ट्रंप को भी फायदा कराना था। पैसों के अलावा परिवार के फ्यूचर पर मुनीर ने जोर दिया।

पाकिस्तानी सेना दुनिया की पहली 'बिजनेस आर्मी' है। पाकिस्तानी सेना 50 से ज्यादा ट्रस्ट और फाउंडेशन चलाती है। इनमें आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट, फौजी फाउंडेशन, शाहीन फाउंडेशन, बहरिया फाउंडेशन और डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए) प्रमुख हैं। इनके तहत विभिन्न उद्योगों में कार्यरत कंपनियां शामिल हैं। इसका मुनाफा सीधे पाकिस्तानी आर्मी को जाता है। पाकिस्तानी सेना सबसे बड़ी रियल एस्टेट डेवलपर मानी जाती है। डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए) के पास राजधानी इस्लामाबाद में 16, 000 एकड़, कराची में 12, 000 एकड़ और लाहौर में 60, 000 एकड़ शहरी जमीन का नियंत्रण है। फौजी फाउंडेशन फौजी सीमेंट नामक ब्रांड चलाता है। उर्वरक (फौजी फर्टिलाइजर), गैस (फाउंडेशन गैस) और चीनी मिल (फौजी शुगर मिल्स) जैसे व्यवसाय भी हैं। इसकी संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 35 मिलियन डॉलर बताया जाता है।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था- 'प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।' यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1, 600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60, 000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं।

देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में डा रामकुमार वर्मा की कविता विषय पर व्याख्यान सत्र आयोजित

डॉ रामकुमार वर्मा की कविता भारतीय संस्कृति की पोषक : प्रो रामजी तिवारी

डॉ रामकुमार वर्मा की कविताओं में शोध की अनेक संभावनाएं : डॉ राम किशोर शर्मा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, समालोचक और पद्मभूषण डॉ रामकुमार वर्मा की कविताएं भारतीय संस्कृति की पोषक हैं। यह बातें मुंबई विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो रामजी तिवारी ने गुरुवार को डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट और हिन्दी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रो धीरेंद्र वर्मा सभागार हिन्दी विभाग में डा रामकुमार वर्मा की स्मृति में आयोजित व्याख्यान सत्र में कहीं। बतौर मुख्य वक्ता प्रो रामजी तिवारी ने डॉ रामकुमार वर्मा की कविताओं की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए कहा कि एकलव्य अहिल्या जैसे पात्रों को डॉ रामकुमार वर्मा ने अपनी कल्पना के द्वारा एक उदात्त चरित्र के रूप में प्रस्तुत किया, जो भारतीय संस्कृति के अनुरूप रही है। प्रो तिवारी ने कहा कि डॉ रामकुमार वर्मा का इंद्रधनुषी व्यक्तित्व था, जो इतिहासकार, समीक्षक, नाट्यकार, अभिनेता, एकांकी के जन्मदाता, कवि, आलोचक भी रहे। समस्त प्रकृति प्रदत्त रंग उनमें मौजूद रहे। विद्यार्थी जीवन में डा रामकुमार वर्मा की पहली कविता 17 वर्ष की उम्र में पुरस्कृत हुई। कविता उनके लेखन की केंद्रीय धुरी है। प्रो रामजी तिवारी ने उनके महाकाव्यों एवं लघु काव्यों पर प्रकाश डाला। कहा कि उनका लिखा एकलव्य हिंदी का आदर्श महाकाव्य माना गया है। उनका मानना था कि कविता पवित्र अनुभूति है। उनकी कविताओं में उनके व्यक्तित्व की झलक मिलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो राम किशोर शर्मा ने कहा कि डॉ रामकुमार वर्मा का साहित्य सागर की तरह है। उनकी कविताओं में शोध की अनेक संभावनाएं हैं। डॉ रामकुमार वर्मा युग मानव थे। लंबे समय तक उन्होंने काव्य साधना की। यही नहीं उन्होंने सांस्कृतिक चेतना का संवर्धन अपनी कविताओं के माध्यम से किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा डॉ रामकुमार वर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर अतिथियों का स्वागत हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो लालसा यादव, कोषाध्यक्ष डॉ ब्रह्मदेव द्विवेदी और शोध छात्र सोमदेव मिश्रा ने पुष्पगुच्छ देकर किया। डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट प्रयागराज की अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ राजलक्ष्मी वर्मा ने डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष जरूरतमंद छात्रों को पाठ्य पुस्तक और छात्रवृत्ति प्रदान करता है। इस वर्ष 15 सितंबर को डॉ रामकुमार वर्मा की 125 वीं वर्षगांठ पर ट्रस्ट द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिंदी विभाग में एमए की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा आस्था त्रिपाठी को मुख्य अतिथि द्वारा स्वर्ण पदक, प्रमाण पत्र एवं पुस्तकें प्रदान की गईं।

कार्यक्रम का संचालन सचिव डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शान्ति चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रो सूर्य नारायण, प्रो प्रणय कृष्ण, प्रो भूरे लाल, प्रो चंदा देवी, प्रो संतोष भदौरिया, प्रो सुनील विक्रम सिंह, डॉ विनम्र सेन, कोषाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मदेव द्विवेदी, डॉ भरत, डॉ ओंकार नाथ द्विवेदी, डॉ उर्मिला श्रीवास्तव, डॉ कल्पना वर्मा शोध छात्र सोमदेव मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र गंभीर रूप से घायल

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के पड़िला गांव के समीप गुरुवार दोपहर लगभग 2 बजे स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया है जानकारी के अनुसार, घायल छात्र बच्चा गौतम (17 वर्ष) पुत्र राम सिंह गौतम निवासी ग्राम गोड़वा, थाना थरवई के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बच्चा गौतम अपने घर से बाइक पर सवार होकर पड़िला बाजार की ओर जा रहा था। इसी दौरान जैतवारडीह रेलवे क्रॉसिंग की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो मोड़ पर पहुंची और सीधे उसकी बाइक से टकरा गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। दुर्घटना होते ही आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और आनन-फानन में घायल को इलाज के लिए फाफामऊ स्थित एक निजी अस्पताल 108 एंबुलेंस की मदद ले जाया गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

टोल प्लाज़ा में आर्थिक अपराध की जांच पर हाईकोर्ट ने तलब किया जवाब

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने टोल प्लाज़ा में आर्थिक अपराध से संबंधित जांच रिपोर्ट पर की गई या की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से छह सप्ताह में मांगी है। यह आदेश न्यायमूर्ति एम.के. गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने मथुरा निवासी चंद्रपाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

याचिका पर अधिवक्ता सुनील चौधरी ने बहस करते हुए बताया कि याची की शिकायत के आधार पर तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। समिति की जांच में पाया गया कि वरिष्ठ सहायक लेखाकार राजीव कुमार शर्मा ने आर.के. शर्मा के नाम से एक फर्जी अनुदेशक आईडी बनाकर वर्षों तक सरकारी धन का गबन किया। साथ ही, अपनी पत्नी नीलम शर्मा के खाते में धन भेजकर सात करोड़ रुपये से अधिक की राशि का गबन कर संस्थान को भारी नुकसान पहुँचाया।

जांच रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि गबन की राशि से अर्जित चल-अचल संपत्ति की जांच विभागीय समिति द्वारा संभव नहीं है। इस पर निदेशालय और शासन स्तर से उचित निर्णय लिया जाना आवश्यक है।

याची ने निदेशक प्रशिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास, लखनऊ तथा शासन में शिकायत कर साक्ष्य प्रस्तुत किए और 12 करोड़ रुपये से अधिक के गबन की आर्थिक अपराध शाखा से जांच कराने की मांग की। संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश शासन ने इस मामले में अपर मुख्य सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, लखनऊ से आख्या मांगी है।

टेट प्रकरण में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने मार्च निकालकर प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ प्रयागराज के नेतृत्व में हजारों शिक्षकों ने जिला पंचायत प्रांगण से मार्च करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री और मानव संसाधन विकास मंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी नगर को सौंपा।जिलाध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि आरटीई ऐक्ट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिये टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए यह ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 को राष्ट्रीय स्तर पर 1 अप्रैल 2010 से लागू किया गया है, जो 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्रदान करता है।उत्तर प्रदेश सरकार ने आरटीई अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिए 2011 में अपने राज्य के नियम बनाए, जिन्हें 'उत्तर प्रदेश निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियम' के नाम से जाना जाता है। यह अधिनियम 2009 में पारित किया गया था और 01अप्रैल 2010 से पूरे देश में प्रभावी है। मूल आरटीई ऐक्ट में 01 अप्रैल 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की बाध्यता नहीं थी। इसलिये ऐसे शिक्षक जो उत्तर प्रदेश में आरटीई ऐक्ट लागू होने से पहले नियुक्त हैं,

उनके लिये टीईटी लागू करना कहीं से भी सही नहीं है।जिला महामंत्री राजेंद्र अनुरागी ने कहा कि शिक्षकों के साथ सरकार ने धोखा किया है। इससे शिक्षक गहरी मानसिक वेदना से गुजर रहे हैं।शिक्षा मित्र संघ के जिलाध्यक्ष वसीम अहमद ने कहा कि शिक्षकों के साथ इस अन्याय की लड़ाई में शिक्षा मित्र संघ शिक्षकों के साथ है।टीएससीटी के प्रदेश अध्यक्ष व संस्थापक विवेकानंद आर्या ने कहा कि सेवारत शिक्षकों के लिए इतने वर्षों बाद सेवा शर्तों में इस तरह का परिवर्तन शिक्षकों के साथ घोर अन्याय है। उपस्थित हजारों शिक्षकों ने टेट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने का अनुरोध किया।इस अवसर पर प्रयागराज मंडल अध्यक्ष अलका बाजपेई, वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष भूपेंद्र वीर सिंह, मंडल उपाध्यक्ष मनोज पाठक, मंडल उपाध्यक्ष अनीता पांडेय, जिला कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह पटेल, ब्रह्म प्रकाश, दिनेश मिश्रा, कृष्ण शंकर मिश्र, अजीत प्रताप सिंह, भारतेन्द्र त्रिपाठी, अनुराग पांडेय, निशा शुक्ला, जया शर्मा, रंजना द्विवेदी, शकील अहमद, श्यामाकांत द्विवेदी, सुनील कुमार शुक्ल, बबिता वर्मा, सुनील तिवारी, सुधेश पांडेय, संजीव, रजक, दुर्गा जायसवाल, संध्या सिंह, जितेन्द्र कुमार शर्मा, इरफ़ान अहमद, इन्द्रेश कुमार तिवारी, महेश कुमार शुक्ल, धर्मेन्द्र पांडेय, सीबी यादव, यामवंत, अरूणेश त्रिपाठी, छविनाथ तिवारी, विनोद कुमार मिश्र, सैयद दानिश इमरान, जीतेंद्र कुमार जीतू आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

राजा हरिश्चंद्र की प्रस्तुति में लोक कलाकारों ने किया भाव विभोर

सत्य की जीत एवं भाईचारे का दिया संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महात्मा गांधी से लेकर न जाने कितने लोग सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र नाटक की कथा से प्रभावित हुए हैं, लेकिन जब इस कथा को नौटकी शैली में सांस्कृतिक केंद्र प्रेक्षागृह में लोक कलाकारों ने मंचित किया तो पूरा प्रेक्षागृह भाव विभोर हो गया। नीति, दर्शन, नैतिकता, सत्यवादिता सहित इस कथा के अनेक पहलुओं ने दर्शकों को बांधे रखा। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय नौटंकी समारोह में गुरुवार को नौटंकी की कानपुर की शैली और कलाकारों के देसज संवाद ने लोगों को जोड़े रखा। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने मुख्य अतिथि प्रो. स्वतंत्र शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

नौटंकी प्रशिक्षण केंद्र, कानपुर की ओर से की गई प्रस्तुति में अनुप्रिया चौहान राजा हरिश्चंद्र की पत्नी तारामति की भूमिका में थी तो उपहार मिश्रा हरिश्चंद्र की

भूमिका में। कार्यक्रम के प्रारंभ में कलाकारों ने प्रसिद्ध लोक रचनाएं रंगमंच के चरणों में रंगकर्मी शीश नवाता है, रंगकर्मी का जन्म जन्म से नाता है। की झलक दिखाई तो दर्शकों तालियों से इसका स्वागत किया। कहानी सत्यव्रत के पुत्र राजा हरिश्चंद्र उनकी पत्नी तारा एवं पुत्र रोहित के ईर्द-गिर्द घूमती है। राजा हरिश्चंद्र की प्रसिद्धि चारों ओर फैल जाती है। ऋषि विश्वामित्र उनकी इस सत्य निष्ठा की परीक्षा स्वयं लेना चाहते हैं। एक दिन राजा हरिश्चंद्र ने सपना देखा कि उन्होंने अपना सारा राजपाट विश्वामित्र को सौंप दिया है। अगले ही दिन विश्वामित्र राजा के पास साक्षात पहुंच जाते हैं। राजा ने अपना सब कुछ विश्वामित्र को सौंप दिया। जब हरिश्चंद्र ने विश्वामित्र से पांच मुहरें मांगी तो उन्होंने कहा कि राजन आप सबकुछ दान में दे चुके हैं। फिर हरीश्चंद्र ने श्मशानघाट पर काम किया। उनके बेटे को सर्प ने काट लिया। वहां भी उन्हें सत्य की परीक्षा देनी पड़ी। सत्यवादिता के चलते उनका बेटा भी भगवान की कृपा से जीवित हो गया। विश्वामित्र ने सारा राजपाट वापस कर दिया। राजा हरिश्चंद्र का काशी में बिकना, विश्वामित्र, हरिश्चंद्र संवाद हरिश्चंद्र का अपनी पत्नी और पुत्र से संवाद सहित कई अन्य संवाद जहां दर्शकों की आंखों में आंसू लाते हैं वहीं हरिश्चंद्र के बाग के माली का प्रकरण और विश्वामित्र तथा गणिकाओं का संवाद दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान भी लाता है। पारंपरिक वाद्य यंत्र इस नौटंकी की मौलिकता में चार चांद लगा रहे थे। इस अवसर पर ब्रिगेडियर ए.एस. चौहान, मान सिंह तोमर, सुनीता चौहान, प्रदीप भटनागर सहित काफी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय पैगम्बरपुर में किया गया वृक्षारोपण

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरुवार को विकास खंड बहरिया अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय पैगम्बरपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेनू साहू ने कहा कि प्रकृति को बचाने का सबसे उत्तम तरीका वृक्षारोपण है। वृक्ष हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि पौधे न केवल फल और छाया देते हैं बल्कि प्रदूषण रोकने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होते हैं।उन्होंने लोगों को जागरुक करते हुए प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और उसकी देखभाल भी करें। उन्होंने कहा कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देना है तो वृक्ष लगाना ही होगा।इस अवसर पर शिक्षिका इंदु कुमारी, श्वेता श्रीवास्तव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने मिलकर पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का 20वाँ दीक्षांत समारोह कल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद का 20वाँ दीक्षांत समारोह 13 सितम्बर (शनिवार) को अपराह्न 2:30 बजे झलवा परिसर के मुख्य सभागार में आयोजित होगा। इस अवसर पर कुल 648 छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की जाएँगी।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. टी. जी. सीताराम मुख्य अतिथि होंगे। गेनकोवल स्ट्रैटेजिक सर्विसेज प्रा. लि., मुंबई के चेयरमैन श्री दीपक घेइसास एवं मॉर्गन स्टेनली के उपाध्यक्ष श्री कमलेश लाहोटी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

उपाधि और पदक वितरण संस्थान के निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावने ने प्रेस वार्ता में बताया कि इस बार 648 उपाधियों के साथ 22 पदक भी मेधावी छात्रों को प्रदान किए जाएंगे।

एम.टेक (ईसीई): स्वर्ण - आयुष मौर्य, रजत - ऋषित कनौजिया, कांस्य - विशाल चौधरी

मुख्य संबोधन दीक्षांत समारोह में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. भीम सिंह दीक्षांत भाषण देंगे। प्रो. सिंह एक प्रख्यात शिक्षाविद और शोधकर्ता हैं, जिन्होंने अब तक 1, 350 से अधिक शोधपत्र और 1, 850 से अधिक कॉन्फ्रेंस पेपर प्रकाशित किए हैं। उनके मार्गदर्शन में 149 पीएचडी एवं 184 एम.टेक/

एम.एस. शोध पूरे हो चुके हैं।प्लेसमेंट रिपोर्ट (सत्र 2025) बी.टेक: 431 पंजीकृत छात्रों में से 424 का चयन (98.4इ प्लेसमेंट)

औसत पैकेज: ?32 लाख प्रतिवर्ष, मीडियन पैकेज: ?26 लाख 59 प्री-प्लेसमेंट ऑफर, 135 एफटीई६ इंटर्नशिप ऑफर और 96 पूर्णकालिक ऑफर

कुल ऑफर: 482

एम.टेक: 122 में से 102 छात्रों का चयन (84इ प्लेसमेंट)

औसत पैकेज: 16.8 लाख प्रतिवर्ष, मीडियन पैकेज: 13 लाख एम.टेक (आईटी) में 83इ और एम.टेक (ईसीई) में 93इ प्लेसमेंट दर संस्थान ने कहा कि वर्ष 1999 से स्थापित आईआईआईटी-अलाहाबाद निरंतर आईटी एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बनाए हुए है और इसके स्नातक उद्योग जगत में नई पहचान बना रहे हैं।

डायट में नवाचार एवं नॉलेज शेयरिंग प्रोग्राम का हुआ सफल समापन

'यह नवाचार एवं नॉलेज शेयरिंग केवल डायट परिसर तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे ज़िले तक पहुँचे और प्रतिभागी जिला स्तर पर भी अपना झंडा गाड़ते हुए राज्य स्तर तक पहुंचे'- डायट प्राचार्य, राजेन्द्र प्रताप

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज में 10 और 11 सितंबर को आयोजित नवाचार एवं नॉलेज शेयरिंग प्रोग्राम का समापन गरिमामयी वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में डॉ हरिष सिंह एवं डॉ रुचि दुबे शामिल रहे, जबकि मार्गदर्शन रूप में डायट प्राचार्य श्री राजेन्द्र प्रताप की सम्मानजनक उपस्थिति रही।

इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने-अपने नवाचारों को निर्णायक मंडल के समक्ष पीपीटी एवं हार्ड कॉपी के रूप में प्रस्तुत किया। निर्णायकों ने सभी 22 ब्लॉकों से आए प्रतिनिधियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सांत्वना पुरस्कार एवं सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किया।

साथ ही, डीएलएड प्रशिक्षण 2023-2024 बैच के प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण की कड़ी में सर्वप्रथम प्राथमिक स्तर पर तृतीय पुरस्कार रिता शर्मा (सोराव ब्लॉक), द्वितीय पुरस्कार अर्चना त्रिपाठी (उरुवा) एवं पूनम चौधरी (श्रृंगवेरपुर धाम ब्लॉक) को दिया गया। उच्च प्राथमिक स्तर पर तृतीय पुरस्कार सीमा मिश्रा (सैदाबाद), द्वितीय पुरस्कार सुषमा यादव (कौड़िहार -1 ब्लॉक) तथा प्रथम पुरस्कार नीलकमल सहाय (कोरियार -2 ब्लॉक) को प्राप्त हुआ। डायट प्रतिभागियों में तृतीय स्थान वीरभद्र प्रताप, द्वितीय स्थान डा. अंबालिका मिश्रा और प्रथम स्थान डा. प्रसून सिंह को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में शील्ड एवं प्रमाणपत्र वितरण किया गया। अपने समापन संबोधन में प्राचार्य श्री राजेन्द्र प्रताप ने सभी प्रवक्ताओं एवं प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल डायट तक सीमित न रहकर राज्य स्तर तक अपनी पहचान बनाएगा। उन्होंने कार्यक्रम की संयोजक ऋचा राय एवं निधि मिश्रा की समन्वय क्षमता की प्रशंसा की और कहा कि यह आयोजन टीम भावना एवं सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। विजित प्रतिभागियों के नवाचार एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज राज्य स्तर पर प्रेषित किए जाएंगे। इस अवसर पर डायट के सभी प्रवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ राजेश पाण्डेय द्वारा कि गया।

भिवंडी मनपा का घटिया बांधकामः सड़कें टूटती, गटर अधूरे, नागरिक बेहाल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निज़ामपुर महानगर पालिका का बांधकाम विभाग हर साल करोड़ों रुपये सड़क मरम्मत, गटर निर्माण और पेवर ब्लॉक लगाने पर खर्च करता है। बावजूद इसके, हकीकत यह है कि सड़कें मरम्मत के कुछ घंटों बाद ही उखड़ जाती हैं और गटर-पेवर ब्लॉक का काम महीनों तक अधूरा पड़ा रहता है। हैरत की बात यह है कि इन योजनाओं पर सांसद और विधायकों की निधि भी झोंकी जा रही है, जबकि शहर के स्कूल, अस्पताल और अन्य मूलभूत सुविधाएं लगातार जर्जर हालत में पहुंच रही हैं। शहर का परशुराम टावरे स्टेडियम, पालिका के गार्डेन, सरकारी दवाखाना, इंदिरा गांधी अस्पताल, वाराला और ईदगाह तालाब जैसे सार्वजनिक स्थल अस्तित्व खोने की कगार पर हैं। प्रभाग समिति क्रमांक 4 का अंजंठा कंपाउंड इसका जीता-जागता सबूत है, जहां सड़क और गटर वर्षों से अधूरे पड़े हैं। पालिका की

आर्थिक तंगी का आलम यह है कि अब न तो गटर बनाने के लिए पैसे बचे हैं और न ही विकास कार्य शुरू करने की क्षमता। अंजंठा कंपाउंड में टूटी गटर लाइन से गंदा पानी लगातार सड़कों पर बहता रहता है। इसी क्षेत्र में मस्जिद भी स्थित है, जहां आने-जाने वाले लोगों को इसी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस क्षेत्र से भाजपा विधायक महेश चौघुले लगातार तीन बार चुने गए, लेकिन सड़कों और गटर की स्थिति पहले से भी खराब हो चुकी है। स्थिति इतनी बदतर हो गई है कि लोग अब इस क्षेत्र से पलायन कर रहे हैं और इलाका धीरे-धीरे उजाड़ नजर आने लगा है। गुरुवार को टूटी सड़क पर एक टेंपो गटर में फंस गया और बड़ा हादसा होते-होते बचा। स्थानीय निवासियों ने घंटों मशक्कत कर वाहन को बाहर निकाला, तब जाकर यातायात बहाल हो सका। दक्ष नागरिक ने पालिका प्रशासन से पूछ रहे है कि जब पालिका हर साल करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है, तो फिर भिवंडी की सड़कें और गटर आखिर क्यों आज भी खस्ताहाल हैं।

भिवंडी मनपा क्षेत्र में 291 अवैध इमारतेंः 10 बीट निरीक्षक तैनात, फिर भी कार्रवाई शून्य

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर महानगर पालिका (BNCMC) सीमा क्षेत्र में अवैध निर्माण माफिया का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थिति यह है कि वर्ष 2022 के बाद अब तक 291 अवैध इमारतें खड़ी हो चुकी हैं। खुद आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस चौंकाने वाले आंकड़े की पुष्टि की थी। अवैध निर्माणों पर लगाम कसने के लिए हर प्रभाग समिति में दो-दो बीट निरीक्षक नियुक्त किए गए, लेकिन इसका नतीजा बिल्कुल उल्टा निकला। सूत्रों का कहना है कि बीट निरीक्षकों की मौजूदगी में भी बिल्डर खुलेआम वर्किंग डे पर स्लैब डाल रहे हैं। प्रशासन के सामने ही निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी है।

महानगर पालिका के उपायुक्त (अतिक्रमण) विक्रम दराड़े और शहर विकास विभाग प्रमुख अरविंद घुंघरे की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। दोनों अधिकारी अवैध निर्माण रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं। यही नहीं, 'शहर विकास विभाग प्रमुख'' का पद तकनीकी योग्यता वाला है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इसे दसवीं पास क्लर्क स्तर के कर्मचारियों को सौंपा गया है। नतीजा यह है कि न तो अवैध इमारतें रुक पा रही हैं और न ही नियमानुसार DPL की प्रक्रिया पूरी हो पा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ पूर्व नगरसेवक और इंजीनियर खुद अवैध इमारतों को संरक्षण दे रहे हैं। इस समय पांचों प्रभाग समितियों में करीब 150 इमारतें, मकान और वेयरहाउस व गोदामें निर्माणाधीन हैं, जिन पर न कोई कार्रवाई हुई है और न ही पालिका ने नोटिस जारी करने की जहमत उठाई। पूर्व आयुक्तों के काल में भूमाफिया छुट्टी के दिन स्लैब डालकर अवैध निर्माण आगे बढ़ाते थे। लेकिन अब तो हालात इतने बिगड़ चुके हैं,कि वर्किंग डे में भी धड़ाधड़ इमारतें खड़ी हो रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पालिका प्रशासन की नाक के नीचे अवैध इमारतें बन रही हैं और जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं, तो आम नागरिकों से कानून का पालन करवाने की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

भारत आतंक के वैश्विक अभिशाप को मिटाने के लिए प्रतिबद्ध : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 11 सितंबर 2001 मानवता के इतिहास का वह काला अध्याय, जब निर्दोष जीवन कायरतापूर्ण आतंकी हमले की भेंट चढ़ गए। योगी ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले की बरसी पर कहा कि भारत आतंक के वैश्विक अभिशाप को मिटाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी ने आज सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि यह हमला पूरी मानव सभ्यता की शांति, विश्वास और मानवीय मूल्यों पर निर्मम प्रहार था। योगी ने कहा कि उस भीषण त्रासदी में काल-कवलित सभी दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि भारत आतंक के इस वैश्विक अभिशाप को जड़ से मिटाकर ऐसा संसार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां भय नहीं, केवल शांति, भाईचारा और मानवता का प्रकाश हो। गौरतलब है कि 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के नॉर्थ टावर और पेंटागन पर हुए आतंकी हमलों ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था। इस हमले में काफी लोग मारे गए थे। इन हमलों के पीछे ओसामा बिन लादेन और उसका आतंकी संगठन अल-कायदा था। 2011 में जब अमेरिकी कमांडो ने उसे एबटाबाद में मार गिराया, तो दुनिया ने राहत की सांस ली।

भिवंडी में पारिवारिक विवाद ने लिया खूनी मोड़, बाप-बेटे पर केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के शांतिनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई जब मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। पारिवारिक विवाद में पिता और छोटे बेटे पर ही बड़े बेटे की जान लेने की कोशिश का आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अजिज अहमद शेख (50) और उसका बेटा सईद अजिज अहमद शेख (30) ने मिलकर शाहिद अहमद शेख पर हमला किया,विवाद इतना बढ़ा कि पहले पिता ने शाहिद को जोरदार घूंसा मारा और फिर छोटे भाई सईद ने धारदार हथियार से शाहिद के पैर और गर्दन पर वार कर दिए। यही नहीं, इसके बाद उसे लाठियों से भी बेरहमी से पीटा गया।गंभीर रूप से घायल शाहिद को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसने पुलिस को दिए बयान में बताया कि पिता और भाई न तो उसकी मदद करते थे और न ही सम्मान देते थे। हमेशा उसे अपमानित किया जाता था, जिससे झगड़ा बढ़कर खून-खराबे तक पहुंच गया। शांतिनगर पुलिस ने अजिज और सईद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 118(1), 117(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, अब तक दोनों आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही हैं और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

स्टेम प्रोजेक्ट के सीईओ पद के लिए सरकारी आदेश की ठाणे अतिरिक्त आयुक्त द्वारा अनदेखी, विधायक चौघुले ने की कार्रवाई की मांग

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी, ठाणे, मीरा-भायंदर और ग्रामीण इलाकों में पानी की आपूर्ति करने वाले स्टेम प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एंद्) के पद पर तत्काल कार्रवाई करने के सरकारी आदेश के बावजूद, ठाणे मनपा के अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे जानबूझकर सरकार और जनप्रतिनिधियों को गुमराह कर रहे हैं। इस संबंध में विधायक महेश चौघुले ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर शिकायत की है। चौघुले ने आरोप लगाया कि स्टेम

वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी लिमिटेड में सीईओ के पद पर कार्यरत संकेत घरत के खिलाफ कई शिकायतें हैं। चौघुले ने उनकी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव पर सवाल उठाए हैं। कई जांच समितियों ने संकेत घरत की नियुक्ति रद्द करने की सिफारिश की है।

सरकार के जल आपूर्ति और स्वाच्छता विभाग ने ठाणे महानगरपालिका को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि वे सीईओ पद के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच करके नियुक्ति प्रक्रिया को तुरंत पूरा करें। हालांकि, इस आदेश के बाद भी, अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे ने सरकार और जनप्रतिनिधियों को गुमराह करने की कोशिश की। महेश चौघुले ने आरोप लगाया कि जानबूझकर इस नियुक्ति प्रक्रिया में देरी की गई है।

चौघुले ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे के खिलाफ तत्काल जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।जल आपूर्ति विभाग के 31 जुलाई, 2024 के आदेश के अनुसार आवेदन की जांच करके नियुक्ति प्रक्रिया को तुरंत पूरा किया जाए।इस मामले में देरी और गुमराह करने वाले दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। गैरकानूनी तरीके से नियुक्त किए गए संकेत घरत को इस नियुक्ति प्रक्रिया से पूरी तरह से बाहर किया जाए।

दिल्ली में ईपीएफओ के क्षेत्रीय आयुक्त ने मांगी 3 लाख की रिश्वत, डेढ़ लाख में मान गए, सीबीआई ने धर दबोचा

नई दिल्ली। सीबीआई ने क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I, दिल्ली (पश्चिम) को 1.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। ईपीएफओ के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I, दिल्ली (पश्चिम), जगदीश तांबे ने शिकायतकर्ता से तीन लाख रुपये की रिश्चत मांगी थी। बाद में वे डेढ़ लाख रुपये में मान गए। इस बीच शिकायतकर्ता ने सीबीआई को सूचित कर दिया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए जगदीश तांबे को गिरफ्तार कर लिया।

सीबीआई ने आरोपी के खिलाफ 9 सितंबर को मामला दर्ज किया था। आरोप है कि क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I ने शिकायतकर्ता के खिलाफ आरडीए कार्यवाही को अनुकूल तरीके से निपटाने के लिए उससे तीन लाख रुपये की रिश्वत देने की मांग की थी। बातचीत के बाद, आरोपी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I ने शिकायतकर्ता से 1,50,000 रुपये की रिश्वत लेने पर सहमति जताई।

सीबीआई ने 10 सितंबर 2025 को जाल बिछाया और आरोपी क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I को शिकायतकर्ता से 1,50,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। सीबीआई के मुताबिक, भ्रष्ट लोक सेवकों के विरुद्ध केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई सख्त कार्रवाई भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जिन नागरिकों को भ्रष्टाचार के मामले देखने को मिलते हैं या सरकारी अधिकारियों द्वारा रिश्वत की मांग की जाती है, उन्हें ऐसे मामलों की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे अपनी शिकायत दर्ज कराने या कोई प्रासंगिक जानकारी साझा करने के लिए सीबीआई, एसीबी, दिल्ली, प्रथम तल, सीबीआई बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली के कार्यालय में आ सकते हैं या 011-24367887 और मोबाइल नंबर 9650394847 पर कॉल कर सकते हैं।

अमित शाह ने पांच और एयरपोर्ट पर शुरू किया फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन, अब 12 हवाई अड्डों पर मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने यात्रियों के लिए हवाई सफर को और आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन- ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई-टीटीपी) को देश के पांच और हवाई अड्डों पर शुरू किया। इस योजना के तहत भारतीय नागरिकों और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारकों को इमीग्रेशन प्रक्रिया में लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा और वे ई-गेट से जल्दी क्लियरेंस पा सकेंगे।

यह योजना सबसे पहले जुलाई 2024 में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शुरू हुई थी। इसके बाद दो महीने में इसे मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद, कोचीन और अहमदाबाद में लागू किया गया। अब इस सुविधा को लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, तिरुचिरापल्ली, कोझिकोड और अमृतसर एयरपोर्ट पर भी लागू कर दिया गया है।

तीन लाख लोग जुड़ चुके हैं योजना से

गृहमंत्री शाह ने वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान कहा कि फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन से यात्रियों को तेजी, सुरक्षा और बिना परेशानी के अंतरराष्ट्रीय सफर का अनुभव मिलेगा। अभी तक तीन लाख लोगों ने इस योजना के लिए पंजीकरण कराया है, जिनमें से करीब 2.65 लाख यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ भी उठाया है।

कैसे करेगा काम?

योजना के तहत यात्री ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें पासपोर्ट की न्यूनतम वैधता छह महीने होनी चाहिए। आवेदन स्वीकृत होने के बाद यात्री को बायोमेट्रिक विवरण (फिंगरप्रिंट और चेहरे की तस्वीर) देने के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे या नजदीकी विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) जाना होगा। सफल सत्यापन के बाद यात्री को व्हाइट लिस्ट ऑफ ट्रस्टेड ट्रैवलर्स में शामिल किया जाएगा।

अमेरिका की तर्ज पर बनी योजना

अधिकारियों के मुताबिक यह योजना अमेरिका के ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम की तर्ज पर बनाई गई है। वहां पहले से अनुमोदित यात्रियों को देश में प्रवेश के समय तेजी से क्लियरेंस मिलती है। भारत में भी अब इस व्यवस्था के जरिए यात्रियों को ई-गेट से गुजरने पर तुरंत इमीग्रेशन क्लियरेंस मिल जाएगा।

तेजस्वी का बड़ा आरोपः नीतीश भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह, बिहार में बढ़ा अपराध-कुशासन

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भ्रष्टाचार का भीष्म पितामह बताते हुए, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को कहा कि जनता आगामी चुनावों में राज्य के कुप्रबंधन का बदला लेगी। राष्ट्रीय जनता दल के नेता ने पटना में संवाददाताओं से कहा कि बिहार में अपराध बढ़ रहे हैं, मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री अपराधियों को पनाह दे रहे हैं। ऐसा एक भी दिन नहीं है जब राज्य में आपराधिक गतिविधियाँ न हो रही हों। बिहार में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। नीतीश कुमार भ्रष्टाचार के 'भीष्म पितामह' बन गए हैं। सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके वे बिहार को लूट रहे हैं और जनता आगामी चुनावों में इसका बदला लेगी। देश भर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संभावना के बीच, राजद नेता ने आधार कार्ड को वैध पहचान पत्र के रूप में शामिल करने की अनुमति देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसके संचालन के तरीके के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि मैं सर्वोच्च न्यायालय को एसआईआर के लिए आधार को पहचान पत्र के रूप में अनुमति देने के लिए धन्यवाद देता हूँ। यह हमारे लिए एक बड़ी जीत है। हम एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि एसआईआर को लागू करने की प्रक्रिया के खिलाफ हैं।

इससे पहले 10 सितंबर को, चुनाव आयोग (ईसी) ने सभी राज्यों और केंद्र

शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) का एक सम्मेलन आयोजित किया और मतदाता सूचियों के राष्ट्रव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों का आकलन किया। यह इस वर्ष मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का तीसरा सम्मेलन था। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की उपस्थिति में किया।

चुनाव आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बिहार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा रणनीतियों, बाधाओं और अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक प्रस्तुति दी गई ताकि देश के बाकी हिस्सों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उनके अनुभवों से सीख सकें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से अधिक मतदाता न हों, आयोग की पहल का एक समान कार्यान्वयन हो, मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुझाए गए दस्तावेज़ भी प्रदान किए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति इसमें शामिल न हो। यह दोहराया गया कि इन दस्तावेज़ों से पात्र नागरिकों के लिए दस्तावेज़ जमा करना आसान हो जाएगा।

पीएमके संस्थापक रामदास ने अपने बेटे पार्टी से निकाला; टीवीके को बैठक के लिए पुलिस की मिली मंजूरी

तिरुचिरापल्ली। पाट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक रामदास ने अपने बेटे अंबुमणि रामदास को पार्टी से हटा दिया। उन्होंने कहा कि अंबुमणि पार्टी को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं तमिलनाडु पुलिस ने कई प्रतिबंध लगाते हुए अभिनेता विजय की तमिलगा वेत्री कषगम को 13 सितंबर को होने वाली बैठक के लिए मंजूरी दे दी है।

अंबुमणि के साथ संबंध न रखें पीएमके नेताः रामदास

पाट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक रामदास ने कहा कि अंबुमणि पीएमके को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। वह राजनेता बनने के योग्य नहीं हैं और उन्होंने मनमाने ढंग से काम किया है। मेरे बिना अंबुमणि आगे नहीं बढ़ पाते। पीएमके के किसी भी व्यक्ति को अंबुमणि के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। केवल 10-15 लोग ही उनके साथ हैं।

टीवीके को 13 सितंबर की बैठक के लिए तमिलनाडु पुलिस की मंजूरी मिली तमिलनाडु पुलिस ने कई प्रतिबंध लगाते हुए अभिनेता विजय की तमिलगा वेत्री कषगम को 13 सितंबर को मरक्कदाई में होने वाली बैठक के लिए मंजूरी दे दी है। पुलिस ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल 25 मिनट का होगा। कार्यक्रम स्थल के रास्ते में किसी भी रोड शो या स्वागत समारोह की अनुमति नहीं होगी। प्रचार केवल तिरुचिरापल्ली में ही किया जाएगा।

यहां से अभिनेता विजय अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अपना प्रचार अभियान शुरू करने वाले हैं। टीवीके ने शर्तों को स्वीकार कर लिया है और कार्यक्रम का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने पर सहमति जताई है।

पुलिस ने कहा कि प्रचार के दौरान कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। पुलिस ने कहा कि रैली का समय सुबह 10.35 से 11 बजे के बीच निर्धारित किया गया था। प्रचार वाहनों को टीवीके नेता के वाहन और पांच अन्य लोगों तक सीमित कर दिया गया है। पार्टी पदाधिकारियों को पैदल चलने पर रोक लगा दी गई है और कोई भी वाहन जुलूस नहीं निकाला जाएगा।

साथ ही आयोजकों को सार्वजनिक परिवहन को बाधित किए बिना वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था करनी होगी। इसके अलावा टीवीके पर लगाए गए 23 प्रतिबंधों में से एक अन्य प्रतिबंध में पार्टी से कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, एम्बुलेंस और अग्निशमन उपकरण उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने को कहा गया।

दिल्ली के रोहिणी से वांछित अपराधी गिरफ्तार, दो पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली। अपहरण के एक मामले में वांछित 23 ?वर्षीय आरोपी को दिल्ली के रोहिणी इलाके से गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से दो पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मंगोलपुरी निवासी शहजाद उर्फ?उवेस को मंगलवार देर रात गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी को आधी रात के आसपास रोहिणी के जीआएस सिनेमा हॉल के पास देखा गया और सूचना मिली थी कि उसके पास अवैध हथियार हैं।

उन्होंने बताया कि उसे पकड़ लिया गया और उसके पास से दो पिस्तौल बरामद की गईं, जिनमें से एक में तीन कारतूस थे। पुलिस ने बताया कि शहजाद बाहरी दिल्ली में सक्रिय सैफ-कैफ गिरोह का प्रमुख सदस्य है और वह पहले भी प्रेम नगर में हत्या के प्रयास के एक मामले में शामिल रहा है।

उन्होंने बताया कि वह एक लड़की के कथित अपहरण के सिलसिले में सुल्तानपुरी थाने में दर्ज एक मामले में भी वांछित है। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने कथित तौर पर कबूल किया कि वह कैफ नाम के एक गैंगस्टर के निर्देश पर दुकानदारों और छोटे विक्रेताओं से रंगदारी वसूलने के लिए हथियार रखता था। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का पूजा रानी पहुंची सेमीफाइनल में

लिवरपूल **(एजेंसी)**। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया।

पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में किशोरी कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए।

इस बीच भारत के पुरुष मुक्केबाजों के अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हार गए। उनके बाहर होने के बाद पुरुष वर्ग में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा। इस तरह से भारतीय पुरुष मुक्केबाजों का ताशकंद में खेली गई पिछली विश्व चैंपियनशिप की तुलना में यहां प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

पिछली प्रतियोगिता में दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं की पिछली प्रतियोगिता नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी जिसमें नीतू घंघास (48 किग्रा), निकहत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते थे।

पूजा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले राउंड में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने पलटवार करते हुए यह राउंड 3-2 से जीत लिया। एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता पूजा ने दूसरे राउंड में अच्छी वापसी करके बड़ी बढ़त हासिल की। तीसरे राउंड तक दोनों मुक्केबाज थक चुकी थीं, लेकिन पूजा ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में अपने नाम पर पदक पक्का किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज एमिली एस्क्विथ से होगा।

अर्शदीप को चोट लगी है या आठ बल्लेबाजों वाली रणनीति के कारण अंतिम एकादश से हैं बाहर

दुबई **(एजेंसी)**। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ठीक 223 दिन पहले 31 जनवरी 2025 को खेला था और भारतीय टीम ने एशिया कप के पहले मैच के लिए एकत्रित होने से पहले मुंबई में बस एक और मैच खेला था। अर्शदीप 63 मैच में 99 विकेट चटकाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले भारतीय बनने के बहुत करीब हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि उन्हें बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मैच के लिए अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। उन्होंने इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के दौरान भी बेंच पर ही समय बिताया (चौथे टेस्ट को छोड़कर जिसमें वह उंगली की चोट के कारण बाहर हो गए थे)। एशिया कप से पहले वह सिर्फ उत्तर क्षेत्र के दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में मध्य क्षेत्र के खिलाफ खेले थे जहां वे इतने ज्यादा प्रभावशाली नहीं दिखे थे। यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि अर्शदीप के भारत की अंतिम एकादश में जगह बनाने में क्या रुकावट आ रही है। क्या यह कोई छोटी चोट है? या टीम प्रबंधन का आठवें नंबर तक बल्लेबाजी बढ़ाने और तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर को खिलाने का आजमाया हुआ फॉर्मूला?

उम्मीद थी कि अर्शदीप एशिया कप के पहले मैच में यूएई के खिलाफ एक स्वाभाविक विकल्प होंगे, लेकिन सभी को हैरान करते हुए तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दिया गया। टीम प्रबंधन ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि अर्शदीप को कोई परेशानी थी या नहीं, लेकिन अगर ऐसा होता तो अब तक किसी और को टीम में शामिल कर लिया गया होता।

अर्शदीप ने यूएई के खिलाफ पहले मैच की पूर्व संध्या पर आईसीसी अकादमी में भारतीय नेट सत्र के दौरान 'स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच' एड्रियन ले रॉक्स के साथ काफी समय बिताया। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और कुलदीप यादव तीनों को शुरुआती मैच में गेंदबाजी करनी थी लेकिन वैकल्पिक सत्र में उन्होंने आराम करने का फैसला किया जबकि अर्शदीप, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल इसमें शामिल थे। लेकिन अर्शदीप ने गेंदबाजी करने के बजाय अपनी बल्लेबाजी को थोड़ा निखारने का फैसला किया।

उन्होंने ले रॉक्स और गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल की देखरेख में फिटनेस अभ्यास किया। उन्होंने करीब एक घंटे तक 'स्प्रिंट' और 'स्ट्राइड्स' किए और कई बार ऐसा लगा जैसे वह खेलने के लिए तैयारी में फिटनेस अभ्यास कर रहे हों। अगर यह पूरी तरह से फिटनेस से जुड़ा मामला होता तो फिजियो कमलेश जैन भी सत्र की निगरानी करते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'अर्श ऊर्जा से भरपूर हैं। वह लगातार ट्रेनिंग करने के शौकीन हैं।

शेयर बाजार में तेजी जारी; सेंसेक्स 124 अंक चढ़ा, निफ्टी 25, 000 अंक के पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को तेजी बनी रही और बीएसई सेंसेक्स 124 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25, 000 अंक के ऊपर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू शेयर बाजार लाभ में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसक्स में लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 123.58 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81, 548.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 217.07 अंक तक चढ़ गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और यह 32.40 अंक यानी 0.13 प्रतिशत बढ़कर लगभग तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर 25, 005.50 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटर्नल और सन फार्मा प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में इन्फोसिस, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "निफ्टी 50 सूचकांक 25, 000 अंक की महत्वपूर्ण सीमा से ऊपर बंद हुआ है। अमेरिका द्वारा भारत पर अप्रत्याशित रूप से 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने से मुख्य सूचकांक एक समय 24, 400 अंक तक गिर गया था।" नायर ने कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने के अमेरिका के सकारात्मक संकेतों से सूचकांक एक नए दायरे में चढ़ा। बाजार इसकी काफी उम्मीद कर रहा था।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट सकारात्मक दायरे रहे, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था।

बुधवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 115.69 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले दिन 5, 004.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत टूटकर 67.28 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

रजत पाटीदार ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में लपका शानदार कैच, देखने वाले रह गए हैरान, वीडियो

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सेंट्रल जोन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे दलीप ट्रॉफी 2025 फाइनल के दौरान शानदार कैच लपककर सभी को हैरान कर दिया। पाटीदार ने अपनी सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए सिली पॉइंट फील्डर के हाथ से गेंद के टकराने के बाद डाइव लगाकर शानदार कैच लपका। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

यह आउट पारी के 49वें ओवर में हुआ जब सारांश जैन गेंदबाजी कर रहे थे। दक्षिण क्षेत्र के बाएं हाथ के बल्लेबाज सलमान नजीर ने बचाव के लिए अपना बल्ला आगे बढ़ाया, तभी गेंद उनके दस्तानों से टकराकर ऊपर की ओर उछल गई। हालांकि सिली पॉइंट फील्डर गेंद को पकड़ नहीं पाया, लेकिन पाटीदार ने मौके का फायदा उठाते हुए गेंद को जमीन पर गिरने से ठीक पहले लपक लिया।

टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करने वाले सेंट्रल जोन ने विपक्षी टीम को केवल 63 ओवरों में 149 रनों पर आउट करके अपने फैसले को सही साबित किया। कुमार कार्तिकेय ने चार विकेट लिए, जबकि सारांश ने 5 विकेट लिए। तन्मय अग्रवाल ने दक्षिण क्षेत्र के लिए 76 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 31 रनों की पारी खेलकर शीर्ष स्कोरर रहे।

कुलदीप यादव अब शायद अगला मैच न खेलें मांजरेकर ने इशारों में गौतम गंभीर की आलोचना की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कुलदीप यादव ने दुबई में भारत के लिए एशिया कप अभियान की शानदार शुरुआत की और यूएई के खिलाफ केवल 4.3 ओवर में 57 रनों पर ढेर करके रिकॉर्ड तोड़ जीत में मदद की। शुरुआत से ही भारतीय टीम का दबदबा रहा, क्योंकि जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन यॉर्कर ने शुरुआत की - लेकिन कुलदीप द्वारा फेंके गए 9वें ओवर में बाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने तीन विकेट लिए, यूएई के बल्लेबाजों को धूल चटाई और 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता।

इंग्लैंड में भारत के सभी 5 टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठने के बाद टीम में वापसी करने वाले इस खिलाड़ी ने तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से अपना हुनर दिखाने के लिए बेताब था। कुलदीप के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भी दी, उन्हें अक्सर टीम में अंदर-बाहर होते देखा गया है, और संजय मांजरेकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जाहिर कर दिया कि कुलदीप की भागीदारी और समावेशन को जिस तरह से संभाला गया है, उससे वे पूरी तरह सहमत नहीं हैं।

मांजरेकर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखते हुए कहा, 'कुलदीप ने एक ओवर में 3 विकेट लिए। अब शायद अगला मैच न खेलें।' उन्होंने एक मजाकिया इमोजी भी लगाई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी टिप्पणी को सही अर्थ में लिया जाए। कुलदीप टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, दोनों में भारत की जीत का अहम हिस्सा रहे थे। कई लोगों का मानना है कि उन्हें टेस्ट सीजन में टीम का हिस्सा होना चाहिए था, खासकर जब गौतम गंभीर को नतीजे हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि इस लेग स्पिनर को एक ऐसे देश में एक विशुद्ध स्पिनर होने का दुर्भाग्य मिला है जहां कई स्पिन गेंदबाज हैं जो बल्ले से भी कमाल दिखा सकते हैं। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें रवींद्र जडेजा और हाल ही में वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी संघर्ष करना पड़ा है।

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन का किया खुलासा कहा- गेंदबाजी कोच ने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है

दुबई **(एजेंसी)**। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण शिवम दुबे की गेंदबाजी में भूमिका सीमित हो गई थी लेकिन वह भारतीय टीम के लिए अदद ऑलराउंडर बनना चाहते हैं जिसमें उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मार्गदर्शन मिल रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच में दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लेने वाले दुबे ने एक तेज गेंदबाज के रूप ने अपने खेल में सुधार के संबंध में मोर्कल की भूमिका के बारे में बात की। दुबे ने भारत की 9 विकेट से जीत के बाद कहा, 'जब से मैं इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापस आया हूं, तब से मोर्ने मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है और मैंने उन पर अमल किया है।' इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा। उन्होंने धीमी गेंद करने को लेकर भी मेरे साथ काम किया और मेरे रन-अप में भी थोड़ा बदलाव किया। मुख्य कोच और कप्तान ने मुझे बताया था कि मेरी गेंदबाजी की भूमिका अहम होगी।'

आईपीएल के बाद दुबे को अपने ऑलराउंड खेल और फिटनेस पर काम करने के लिए दो महीने का समय मिला। दुबे का आईपीएल में उनकी फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स पावर-हिटर के रूप में ज्यादा इस्तेमाल करती है। दुबे ने कहा, 'पिछले दो महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मुझे पता है कि बीच के ओवरों में मुझे (एक पावर-हिटर के तौर पर) अपनी भूमिका निभानी है। मैं जानता हूं कि पिछले कुछ वर्षों में गेंदबाजों ने मुझे शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया है और मैंने अपने शॉट्स की रेंज बढ़ाने पर काम किया है।' इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, विकेट धीमा होता जाएगा और मैं जानता हूं कि तब मेरी धीमी गेंदें प्रभावी होंगी। मैं यह भी जानता हूं कि बीच के ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करनी है।' एक ऑलराउंडर के रूप में दुबे को कई बार हार्दिक पंड्या की चुनौती का सामना करना पड़ता है, लेकिन मुंबई के इस ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि उनके बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हार्दिक मेरे भाई की तरह हैं जिनसे मैं बहुत कुछ सीखता हूं क्योंकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका अनुभव मुझसे कहीं अधिक है। मेरा प्रयास हमेशा उनसे कुछ न कुछ सीख लेना होता है।' दुबे ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले आगामी मैच के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'चाहे मैं यूएई के खिलाफ खेल रहा हूं या पाकिस्तान के खिलाफ, मैं अपने कोच गौती भाई (गंभीर) की बातों पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो आपको देश के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर मिलता है।'

पीएम ओली के इस्तीफे के बीच मनीषा कोइराला ने दादा को याद कर 'लोकतंत्र' पर दिया बड़ा संदेश

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने नेपाल में प्रदर्शनकारियों पर हुई हिंसक कार्रवाई के खिलाफ आवाज़ उठाई है और इसे देश के लिए 'काला दिन' बताया है। उनकी यह टिप्पणी जनरेशन ज़ेड के प्रदर्शनकारियों द्वारा किए गए भीषण उपद्रव के बाद आई है, जो भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकार के विवादास्पद प्रतिबंध के विरोध में सड़कों पर उतरे थे।

बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने मंगलवार को अपने दादा एवं नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बिश्वेश्वर प्रसाद कोइराला को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जिन्होंने "प्रेम, संघर्ष और लचीलेपन को आवाज दी थी।" कोइराला ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर यह पोस्ट ऐसे समय में साझा की है जब पड़ोसी देश में सरकार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। वेबसीरीज 'हीरामंडी' की अभिनेत्री ने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट में अपने दादा की एक तस्वीर भी साझा की।

उन्होंने पोस्ट में कहा, "नेपाल के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री और प्रेम, संघर्ष एवं लचीलेपन को स्वर देने वाले लेखक बी.पी. बा को उनके जन्मदिन पर नमन। आज जब छात्र भ्रष्टाचार के खिलाफ और आज़ादी के लिए उठ खड़े हुए हैं तो उनके शब्द कालजयी लगते हैं।" अभिनेत्री ने कहा, "लोकतंत्र अविभाज्य है; यदि आप अपने देश में लोकतंत्र चाहते हैं तो आप इसके लिए सभी संघर्षों की उपेक्षा नहीं कर सकते - बी.पी. कोइराला।"

नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने देश में सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शन के मद्देनजर मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। वहां के युवाओं ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उग्र प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल समेत कई शीर्ष नेताओं के आवासों पर हमला किया और संसद में तोड़फोड़ की। हालांकि नेपाल सरकार ने सोमवार रात सोशल मीडिया वेबसाइट पर लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखा और प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई में 19 लोगों की मौत को लेकर जवाबदेही की मांग की।

'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में अभिनेत्री ने नेपाल में प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने खून से सने एक जूते की तस्वीर साझा करते हुए कहा, "आज नेपाल के लिए काला दिन है। जब लोगों की आवाज, भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रोश और न्याय की मांग का जवाब गोलियों से दिया जा रहा है।

एसीएमई सोलर को एफडीआरई परियोजना के लिए एसबीआई से 3, 892 करोड़ रुपये का वित्तपोषण मिला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एसीएमई वीनस ऊर्जा ने 400 मेगावाट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना के विकास और निर्माण के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से 3, 892 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक परियोजना वित्तपोषण प्राप्त किया है।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि इसका पुनर्भुगतान 19 साल में किया जाएगा। एफडीआरई परियोजना राजस्थान के बाड़मेर में विकसित की जा रही है और एनएचपीसी के साथ 4.64 रुपये प्रति यूनिट की दर पर अनुबंधित है। इस परियोजना में आपूर्ति दायित्वों को पूरा करने और बिजली खरीद समझौते (पीपीए) की शर्तों के अनुसार बेहतर डिस्पैच क्षमता सुनिश्चित करने के लिए सौर और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) स्थापित करना भी शामिल है। कंपनी के बयान के अनुसार, यह वित्तपोषण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से कंपनी को मिला सबसे बड़ा वित्तपोषण है और साथ ही, एसीएमई की एफडीआरई परियोजनाओं में एसबीआई का पहला वित्तपोषण भी है।

महाराष्ट्र शासन

कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, सा.बां. विभाग,

राज्य कामगार विमा योजना रुग्णालय आवार, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुंड (प), मुंबई ४०० ०८०

ई मेल पत्ता:-elnorthmumbai.ee@mahapwd.gov.in दुग्ध्वनी क्रमांक: ०२२-२५६०१३२७

ई-निविदा सुचना क्र.30/2025-26

कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंवई विद्युत विभाग, मुलूंड, मुंबई हे महाराष्ट्र शासनाकडील विद्युत ठेकेदार लिफाफा.क्र.१ अनुसार यांचे कडून खालील कामाकरिता ब-१ टक्के वारी नमुन्यातील निविदा, ई-निविदा प्रणालीद्वारे online मागवित आहेत. निविदा कागदपत्र शासनाच्या संकेतस्थळावर http://mahatenders.gov.in येथून डाऊनलोड करण्यांत यावी तसेच निविटा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंवई विद्युत विभाग, मुलुंड, मुंवई यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

कामाचे नांव	निविदा रक्कम रुपये
१. अंदाजपत्रक क्र. १३३००८/२०२५-२६, मुंबईतील बोरिवली (पश्चिम) येथील तहसीलदार कार्यालयाच्या तळमजल्यावरील प्रस्तावित सेतू कार्यालयात विद्युत प्रतिष्ठापन. वातानुकूलन प्रणाली, सीसीटीव्ही, सार्वजनिक भाषण प्रणाली, अग्निशमन अलार्म प्रणाली इत्यादींमध्ये भर घालणे आणि बदल करणे.	रूपये ५५५०५९४/-
२. अंदाजपत्रक क्र. १११००७/२०२५-२६. मुलुंड पश्चिम येथील तहसिलदार कार्यालयातील, सेतू कार्यालयात विद्युत संच मांडणी, वातानुकूलन यंत्रणा, सीसीटीव्ही व अग्निसुरक्षा उपाययोजना इत्यादीं यंत्रणांचे नुतनीकरण करणे.	रूपये ६२८८३७१/-
३. अंदाजपत्रक क्र. १११००८/२०२५-२६. मुलुंड पश्चिम येथील तहसिलदार कार्यालयातील, सेतू कार्यालयात ग्रीड जोडणी असलेली सौर प्रणाली प्रस्था पत करणे.	रूपये १४९६१७९/-
४. अंदाजपत्रक क्र. १३१००२/२२०२५-२६, तहसीलदार कार्यालय अंधेरी पश्चिम मुंबई येथील प्रस्तावित नवीन ई-सेतू कार्यालयासाठी पंखा आणि फिटिंग एअर कंडिशनिंग, सीसीटीव्ही. पीए आणि फायर अलार्म सिस्टमसह विद्युतीकरण करणे	रूपये ४०६६०४५/-
५. अंदाजपत्रक क्र. १३१००३/२०२५-२६. खार पश्चिम मुंबई येथील प्रस्तावित नवीन ई-सेतू कार्यालयासाठी ई-आय मध्ये पंखे आणि फिटिंगसह एअर कंडिशनिंग, सीसीटीव्ही, पीए आणि फायर अलार्म सिस्टमसह विद्युतीकरण करणे	रूपये ३२९१२८२/-
६. अंदाजपत्रक क्र. १३३००७/२०२५-२६, दिंडोशी कोर्ट बिल्डिंग गोरेगाव (पूर्व) मुंबई येथे ३ वर्षासाठी स्थापित ४ मेसर्स ओटिस मेक लिफ्टची पूर्णपणे व्यापक देखभाल प्रदान करणे.	रूपये ३१२१७७६/-
७. अंदाजपत्रक क्र. १३३००४/२०२५-२६. एसआरपीएफ कॅम्प गोरेगाव (पूर्व), मुंबई साठी जनरेशन ।।। अर्ली स्ट्रीमर एमिशन (ईएसई) प्रोटेक्टर लाइटिंग अरेस्टर प्रदान करणे.	रूपये १७९००००/-
८. अंदाजपत्रक क्र. २१२००२/२०२५-२६, घाटकोपर शाखेंतर्गत असणाऱ्या सर्व निवासी व अनिवासी इमारतीच्या विद्युत देखभाली करिता सहा वायरमन व दोन मजदूर यांची कंत्राटी सेवा उपलब्ध करणे (सहा महिन्याकरिता)	रूपये ११९४३३६/-
९. अंदाजपत्रक क्र. २४५५१/२०२५-२६, मुंबईतील जोगेश्वरी (पूर्व) येथील इस्माईल युसेफ कॉलेज कॅम्पसच्या पश्चिम एक्सप्रेस हायवेच्या बाजूच्या कंपाऊंड भिंतीवरील रंगवलेल्या भिंतीला रोषणाईसाठी फिटिंगसह संबंधित ॲक्सेसरीजसह खराब झालेल्या इलेक्ट्रिकल केबलिंगच्या कामाची बदली करणे.	रूपये ९४१५२३/-

ई निविदा उपलब्ध कालावधी : दि.१२.०९.२०२५ ते दि.२०.०९.२०२५ गेजी १७.३० वा. पर्यत .

ई निविदा उघडणे : दि. २२.०९.२०२५ गेजी १४.०० वा. नंतर .

(महाराष्ट्र शासन, सा.बां विभाग, मंत्रालय मुंबई यांचे पत्र संकीर्ण-२०२२/प्र.क्र.१०४/इमा-२ दि.१४.०२.२०२५)

ग्वालील संकंतस्थळावर ई निविटाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.

१. वरील अंदाजित रक्कमेत जी.एस.टी. सामाविष्ट नसून ठेकेदाराने निविदेत दर भरताना जी.एम.. टी. वगळून दर नमूद करावा. अंदाजित रक्कमेवर नमूद केलेल्या दरानुसार आलेल्या रक्कमेवर जी.एस..टी. १८% वेगळा अदा करण्यात येईल.

२.http://mahatenders.gov.in

(मटर निविदा सूचनेमध्ये काही वदल होत असल्याम वरील वेवसाईट वरती कळविण्यात येईल.)

३. कामाच्या कगग्नाम्यात पोग्ट क्वॉलिफीकेशनचा क्रायटेरिया ममाविष्ट केलेला आहे.

४. कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, (मुलूंड) मुंबई कार्यालयातील सूचना फलक

जा.क्र. का अ/उमुंविवि/निविदा/ २६२२ /२०२५

दिनांकः ०४.०९.२०२५

DGIPR/2025-26/2506

सही
कार्यकारी अभियंता,
उत्तर मुंबई विद्युत विभाग,
सा. वां. विभाग मुंबई.

जितनी ऊंची होगी बेटियों की उड़ान, उतना ही उज्ज्वल होगा भारत का भविष्यः सिंधिया

नई दिल्ली।केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने अशोकनगर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अब प्रधानपति, सरपंचपति, जिला पंचायत पति और अध्यक्षपति जैसी प्रथाओं को खत्म करना होगा और महिलाओं को अपना हक अपने हाथों में लेना होगा।

दरअसल, आज केन्द्रीय मंत्री ने आज बृहस्पतिवार को अशोकनगर में रेवा शक्ति अभियान, हृदय योजना और एकल सेवा पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सिंधिया ने महिलाओं को दूसरी पंक्ति में धकेलने वाली इन प्रथाओं की आलोचना की और महिलाओं को उनका असली हक दिलाने के संकल्प का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने महिलाओं को बेटियों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बेटी केवल परिवार की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की पहचान है। जब एक बेटी जन्म लेती है तो वह केवल घर का नहीं बल्कि पूरे समाज का भविष्य गढ़ती है।उन्होंने एकल सेवा पोर्टल, हृदय योजना और रेवा शक्ति अभियान से क्षेत्र को मिलने वाले लाभों को भी रेखांकित करते हुए कहा कि यह योजनाएं क्षेत्र में सुशासन की नई परिभाषा गढ़ेगी।

क्षेत्र में रेवा शक्ति अभियान के तहत 4400 बच्चों को सुपोषित करने का रखा है लक्ष्य

सिंधिया ने रेवा शक्ति अभियान के मुख्य उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि बेटियाँ बोझ नहीं, वरदान हैं। इस अभियान के अंतर्गत जिले के केवल एक या दो बेटियों वाले परिवारों का पंजीयन किया गया है। उन्हें विशेष डिजिटल कार्ड दिए जा रहे हैं, पंजीकृत परिवारों को शिक्षा शुल्क में छूट, स्वास्थ्य सेवाओं में प्राथमिकता, छात्रवृत्ति, किराए में रियायत और सामाजिक सम्मान जैसी सुविधाएँ मिलेंगी। इससे बेटियों को पढ़ाई और आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत मंच मिलेगा।

ज्ञात रहे कि अशोकनगर जिले में इस अभियान के अंतर्गत कुपोषण दूर करने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। अब तक 4,700 कुपोषित बच्चों की पहचान की गई थी, जिनमें से 4,400 बच्चों को सुपोषित करने का लक्ष्य रखा गया है।

सिंधिया ने कहा कि हमारा संकल्प है कि जिले का प्रत्येक बच्चा पूर्ण रूप से सुपोषित हो और स्वस्थ जीवन जी सके। 2100 से अधिक गर्भवती माताओं को मिला हृदय योजना का लाभ

सिंधिया ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि हजारों कुपोषित बच्चों और गर्भवती माताओं को सुरक्षित मातृत्व और पोषण सेवाएँ मिल रही हैं। अब तक 2100 से अधिक माताओं का पंजीयन और 2000 बच्चों का कुपोषण प्रबंधन किया गया है। सिंधिया ने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे और कोई भी बच्चा कुपोषित न हो। उन्होंने कुपोषण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कुपोषण आज भारत में कोई बीमारी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक व्यवस्था की एक कमी है। इसका सुधार हमें मिलकर करना होगा।

पात्र नागरिकों को सीधे लाभ पहुंचाएगा एकल सेवा पोर्टलः सिंधिया

एकल सेवा पोर्टल का शुभारंभ करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यह डिजिटल पोर्टल नागरिकों को 24⁄7 सरकारी सेवाओं और योजनाओं तक पारदर्शी व सुरक्षित पहुँच देगा। सिंधिया ने कहा कि इस तकनीकी पहल से आमजन का जीवन और आसान होगा और बेटियों के नाम से खुले खाते और योजनाएँ समय पर लाभ पहुंचाएँगी। इस पोर्टल से पात्र नागरिकों तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचेगा, आवेदन का समय पर निराकरण व स्थिति की जानकारी मिलेगी एवं पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

महिलाओं को प्रथम पंक्ति में लाने के लिए निरंतर कार्यरतः सिंधिया

कार्यक्रम के दौरान नारी सशक्तिकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मैंने कई वर्षों से प्रयास किए हैं कि महिलाएं प्रथम पंक्ति में आएं और जब महिलाएं प्रथम पंक्ति में आती हैं, तब भी पुरूष उन पर काबिज होने की कोशिश करते हैं। इसलिए पार्षदपति, अध्यक्षपति, सरपंचपति जैसी इस प्रथाओं को समाप्त करना होगा और महिलाओं को अपना हक, अपने हाथों में लेना होगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इसी दिशा में वे निरंतर कार्य कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर, 10 नक्सली ढेर, 1 करोड़ का इनामी बालकृष्ण भी मारा गया

रांची। सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को एक मुठभेड़ के दौरान शीर्ष माओवादी कमांडर मोडेम बालकृष्ण उर्फ ??मनोज समेत 10 नक्सलियों को मार गिराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, मुठभेड़ अभी भी जारी है, इसलिए संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मुठभेड़ के बारे में जानकारी देते हुए, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में मुठभेड़ शुरू हुई। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई - कमांडो बटालियन फॉर रेज़ोल्यूट एक्शन) और अन्य राज्य पुलिस इकाइयों के जवान इस अभियान में शामिल हैं। अभी भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है।

सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ महीनों में नक्सलियों के खिलाफ कई अभियान चलाए हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी आतंकवाद को खत्म करने का लक्ष्य 31 मार्च, 2026 रखा है। इससे पहले, नारायणपुर जिले में विभिन्न इकाइयों के निचले स्तर के 16 नक्सलियों ने भी आत्मसमर्पण किया। पुलिस के अनुसार, नक्सली खोखली माओवादी विचारधारा और उनके द्वारा निर्दोष आदिवासियों पर किए जा रहे

अत्याचारों से निराश थे। पुलिस अधीक्षक के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि वे (शीर्ष माओवादी नेता) स्थानीय लोगों को जल, जंगल और ज़मीन की रक्षा, समानता और न्याय के झूठे वादों से गुमराह करते हैं, और उनका शोषण और उन्हें गुलाम बनाते हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं को गंभीर शोषण का सामना करना पड़ता है, और महिला माओवादियों की स्थिति और भी बदतर है।

हिंसा के बाद नेपाल में खुलने लगे एयरपोर्ट, इंडियन एयरलाइंस ने काठमांडू के लिए उड़ानें फिर से की शुरू

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बीच उड़ानें सामान्य हो जाएँगी। भारतीय एयरलाइन्स ने काठमांडू के लिए अपनी नियमित सेवाएँ फिर से शुरू कर दी हैं। यह फैसला नेपाल में अशांति के कारण एक दिन पहले बंद हुए त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बुधवार शाम को फिर से खुलने के बाद आया है। एयर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट सहित कई एयरलाइन्स ने मंगलवार और बुधवार को अपनी सेवाएँ रद्द कर दी थीं। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि एयर इंडिया और इंडिगो काठमांडू में फंसे लोगों को वापस लाने के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेंगी। उन्होंने यह भी ज़ोर देकर कहा कि एयरलाइनों को किराए उचित स्तर पर रखने के लिए कहा गया है। एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि वह यात्रियों की सहायता के लिए आज और कल दिल्ली से काठमांडू के लिए विशेष उड़ानें संचालित कर रही है। एयरलाइन ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमारा निर्धारित परिचालन भी कल से फिर से शुरू हो जाएगा। हम अपने यात्रियों के हित में इसे सुगम बनाने के लिए त्वरित समन्वय

के लिए सरकार और अन्य एजेंसियों को धन्यवाद देते हैं।

इंडिगो ने भी काठमांडू के लिए अपनी सेवाएँ फिर से शुरू करने की घोषणा की। नायडू ने एक्स पर पोस्ट किया कि नेपाल में हवाई अड्डे बंद होने के कारण, घर जाने वाले कई यात्री काठमांडू से वापस नहीं लौट पाए। काठमांडू में हवाई अड्डे का संचालन शुरू होने के साथ ही, @MoCA_GoI ने एयर इंडिया और इंडिगो के साथ मिलकर आज शाम और अगले कुछ दिनों में अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था की है, साथ ही कल से शुरू होने वाली निर्धारित सेवाएँ भी शुरू हो जाएँगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार को नेपाल के लिए अपनी सेवाएँ रद्द कर दीं, लेकिन यात्रियों को लचीलेपन का आश्वासन दिया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा 'नेपाल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हम 17 सितंबर 2025 तक नेपाल जाने या वहाँ से आने के लिए बुकिंग कराने वाले मेहमानों को अपनी यात्रा को भविष्य की किसी भी यात्रा तिथि पर स्वतंत्र रूप से पुनर्निर्धारित करने की सुविधा और लचीलापन प्रदान कर रहे हैं।

वैकल्पिक रूप से, जो मेहमान इन तिथियों के लिए अपनी बुकिंग रद्द करना चुनते हैं, उन्हें उनके मूल भुगतान माध्यम या ट्रैवल एजेंट को पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। एयरलाइन ने आगे पुष्टि की कि गुरुवार के बाद उसके परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। स्पाइसजेट ने भी हवाई अड्डा बंद होने के कारण बुधवार को काठमांडू के लिए अपनी सेवाएँ रद्द कर दीं।

दिल्ली में आईएसआईएस का 'गजवा-ए-हिंद' मॉड्यूल ध्वस्त, कोर्ट ने 2 आतंकियों को 12 दिन की रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने गुरुवार को आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल मामले में अशहर दानिश और कामरान कुरैशी को 12 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इससे पहले, अशहर दानिश, सूफियान अबुबकर खान, आफताब अंसारी, हुजैफा यमन और कामरान कुरैशी समेत पांच आतंकियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक आतंकी मॉड्यूल से पाकिस्तानी संबंधों का खुलासा किया है और गुरुवार को कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, स्पेशल सेल के एडिशनल सीपी प्रमोद सिंह कुशवाहा ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि ग्यारह लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें से पांच को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों में एक झारखंड का, दो दिल्ली के हैं, जो मूल रूप से मुंबई के रहने वाले हैं, एक तेलंगाना का और एक मध्य प्रदेश के राजगढ़ का रहने वाला है। आज दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुशवाहा ने कहा, 'उनके पास से सल्फर पाउडर, सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, सोडियम साथ ही हथियार और कारतूस मिले हैं।'

बाइकार्बोनेट, पीएच वेइंग चेकर, बॉल बेयरिंग और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, तार, मदरबोर्ड, लैपटॉप और मोबाइल फोन, कुशवाहा के अनुसार, उन्हें जिस पाकिस्तानी हैंडलर को काम सौंपा गया था, वह खिलाफत मॉडल अपनाना चाहता था। उनकी योजना दोहरी थी। सबसे पहले, उन्हें खिलाफत शैली का एक समूह बनाना था। उनकी अपनी टीम थी, जिसे लश्कर कहा जाता था, और उसके बाद, उन्हें इस्लाम की अपनी विकृत समझ के आधार पर, ग़ज़वा-ए-हिंद जैसा जिहाद करना था। साथ ही, उन्हें कुछ लक्षित हत्याएँ करने का काम सौंपा गया था।

कुशवाहा ने कहा, 'उन्हें एक जगह हासिल करनी थी और कई लोगों की एक टीम तैयार करनी थी। टीम के लीडर की आईडी ग़ज़वा लीडर थी, और उसने अपना कोड नाम सीईओ रखा था। इसका मुख्य किरदार रांची निवासी अशहर दानिश था।' आरोपियों की पहचान के बारे में, गिरफ्तार किए गए सभी पाँचों युवक 20 से 26 साल के बीच के हैं। कुशवाहा ने बताया कि दानिश झारखंड का रहने वाला है, उसके पास से बड़ी बरामदगी हुई है। वह पाकिस्तान के हैंडलर के संपर्क में था और उसी ने पूरे ग्रुप को जोड़ा था। उसके पास ग़ज़वा लीडर की आईडी थी और उसे सीईओ बताया जाता था।

जिम ट्रेनर मरीज से बनाए शारीरिक संबंध, एनेस्थेटिक दवा देकर महिला डॉक्टर करती थी गंदी हरकतें, लाइसेंस रद्द

ओटावा **(एजेंसी)**। कनाडा में भारतीय मूल की फैमिली फिजिशियन डॉक्टर सुमन खुलबे का मेडिकल करियर उस वक्त संकट में आ गया जब उन पर अपने मरीजों के साथ निजी, व्यावसायिक और यौन संबंध रखने के गंभीर आरोप साबित हो गए। अपने मेडिकल नियमों की मर्यादा तोड़ने वाले इन आरोपों के चलते उन्हें अब मेडिकल प्रैक्टिस से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह फैसला कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स एंड सर्जन्स ऑफ ओंटारियो की जांच और सुनवाई के बाद लिया गया, जिसमें खुलासा हुआ कि डॉक्टर खुलबे ने एक पुरुष मरीज के साथ यौन संबंध बनाए और दो अन्य मरीजों से भी अनुचित स्तर के निजी और कारोबारी रिश्ते बनाए। इस पूरे मामले ने मेडिकल समुदाय और समाज को हैरान कर दिया है।

जांच में सामने आया कि खुलबे ने न सिर्फ मरीजों के साथ निजी मेलजोल बढ़ाया, बल्कि उन्हें दोस्त, जिम पार्टनर, बिजनेस एसोसिएट और सामाजिक आयोजनों का हिस्सा भी बना लिया। एक मरीज के साथ तो उन्होंने कथित तौर पर यौन संबंध बनाए, जिसमें ओरल सेक्स और अन्य यौन क्रियाएं शामिल थीं।

एक जिम ट्रेनर ने आरोप लगाया कि खुलबे ने उसे इलाज के दौरान प्रोकेन (एक एनेस्थेटिक दवा) दिया और उसके नशे में रहने की अवस्था में यौन संबंध बनाए गए। इस ट्रेनर ने यह भी बताया कि शुरू में उसे विटामिन थेरेपी दी जाती थी। ट्रेनर का कहना था कि खुलबे ने 'थेरेपी' के दौरान उसके गुप्तांगों को छुआ और उसे मानसिक रूप से प्रभावित किया। उसने यह भी दावा किया कि इस खुलबे ने उसके प्राइवेट पार्ट पर हाथ रखकर सांस लेने के व्यायाम कराए।

दौरान वह खुलबे के प्रभाव में था और उसे पूरी तरह नहीं पता था कि उसके साथ क्या हो रहा है। कोर्ट दस्तावेजों के अनुसार, ट्रेनर का आरोप है कि इतना ही नहीं यौन कृत्यों में ओरल सेक्स, मैनुअल स्टिमुलेशन शामिल थे, और ये घटनाएं तब हुईं जब उसे प्रोकेन (एक एनेस्थेटिक दवा) दी जाती थी।

खुलबे पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपने क्लिनिक में सामाजिक आयोजन किए जिनमें शराब परोसी गई और प्रोकेन जैसी दवाओं का बिना सही प्रक्रिया के इस्तेमाल किया गया। इन आयोजनों में भी मरीज शामिल होते थे। कॉलेज की समिति ने अपने फैसले में कहा कि डॉक्टर और मरीज के रिश्ते को लेकर संस्था की नीति बहुत स्पष्ट है- चाहे संबंध सहमति से ही क्यों न हो, यह अनैतिक माना जाएगा। डॉक्टर खुलबे ने इन मूलभूत चिकित्सा नियमों की खुलेआम अनदेखी की।

डॉ. सुमन खुलबे ने इन सभी आरोपों को एकतरफा करार देते हुए कहा कि उन्हें न्याय नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि सुनवाई में कई जरूरी तथ्य छुपा लिए गए और उनके खिलाफ माहौल बनाया गया। उन्होंने इसे एक 'विच हंट' (सोची-समझी साजिश) और ब्लैकमेलिंग बताया। उनका कहना है कि जिम ट्रेनर के साथ उनका रिश्ता निजी था और अब उसे गलत ढंग से पेश किया जा रहा है। खुलबे का यह भी कहना है कि वह एक पारंपरिक भारतीय परिवार से आती हैं और उनके मूल्यों को नज़रअंदाज़ किया गया। उन्होंने फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बनाई है।

सुमन खुलबे ने 2001 में फैमिली डॉक्टर के रूप में प्रैक्टिस शुरू की थी और बाद में एक कार्यकारी हेल्थ क्लिनिक स्थापित किया था। उन्होंने समग्र स्वास्थ्य सेवाएं देने की कोशिश की, लेकिन मरीजों से बढ़ते निजी रिश्तों ने उनके पूरे प्रोफेशन को सवालों के घेरे में ला दिया।

जिंदा हैं नेपाल के पूर्व पीएम खनाल की पत्नी

प्रदर्शनकारियों ने बुरी तरह पीटकर घर में लगाई थी आग

काठमांडू **(एजेंसी)**। पूर्व प्रधानमंत्री झलनाथ खनाल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार जीवित हैं। पहले खबर थी कि उनकी मौत हो गई है। देश में मृतक संख्या 30 पहुंच गई है। विरोध प्रदर्शनों में घायलों की संख्या बढ़कर 1, 033 हो गई है। नेपाल के 6-7 कैबिनेट मंत्रियों, कई मेयर, सभासद और जनप्रतिनिधियों ने भारत में रिश्तेदारों के घर शरण ली है। कई मंत्रियों-नेताओं के घरों पर आगजनी और तोड़फोड़ हुई हैं। आंदोलनकारी इन्हें तलाश रहे हैं। गौरतलब है कि नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनल के घर में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने जब पूर्व पीएम के घर में आग लगाई तो खनल की पत्नी, राज्यलक्ष्मी चित्रकार, अंदर मौजूद थीं। उन्हें गंभीर रूप से जलने के बाद कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया। केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा देश में व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और 22 अन्य सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, नेपाल में जेन जेड के बैनर तले युवाओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। जब विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए और 19 लोगों की मौत हो गई, तो सरकार ने सोमवार देर रात प्रतिबंध हटा लिया। सरकार की ओर से कर्फ्यू घोषित किए जाने के बाद भी हजारों की संख्या में युवा सड़कों पर डटे हुए हैं और तमाम मंत्रियों के आवासों को फूंक डाला है। इन युवाओं ने पीएम और राष्ट्रपति के निजी आवासों को कब्जे में ले लिया है और आग लगा दी है। नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय को भी फूंका गया है। इसके अलावा अभी-अभी संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट को भी इन उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया।

ब्रिटेन ने अमेरिका एम्बेसडर मैंडेलसन को किया बर्खास्त जेफ़री की 'बर्थडे बुक' पर लिखा नोट बना कारण

लंदन **(एजेंसी)**। ब्रिटेन ने अमेरिका में अपने राजदूत पीटर मैंडेलसन को गुरुवार को उनके विवादित रिश्तों के कारण पद से बर्खास्त कर दिया। मैंडेलसन का नाम कुख्यात यौन अपराधी जेफ़री एप्स्टीन से जुड़ने के बाद प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार पर और दबाव बढ़ गया था।अमेरिकी सांसदों ने हाल ही में एप्स्टीन का एक तथाकथित 'बर्थडे बुक' जारी किया, जिसमें मैंडेलसन ने हाथ से लिखा नोट छोड़ा था। उसमें उन्होंने एप्स्टीन को 'माय बेस्ट पाल' यानी सबसे अच्छा दोस्त बताया था।

ब्लूमबर्ग ने बुधवार को मैंडेलसन और एप्स्टीन के बीच कई ईमेल उजागर किए। इनमें मैंडेलसन ने एप्स्टीन का समर्थन किया था और यहां तक कि 2008 के फ्लोरिडा केस पर अपने राजनीतिक संपर्कों से बात करने की पेशकश भी की थी। एक ईमेल में मैंडेलसन ने लिखा- 'मैं तुम्हारे बारे में बहुत अच्छा सोचता हूं और जो हुआ है उस पर बेबस और गुस्से में हूं।' उन्होंने एप्स्टीन को 'आर्ट ऑफ वॉर' की रणनीति अपनाने की सलाह भी दी थी।

ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के मंत्री स्टीफन डौटी ने संसद में घोषणा करते हुए कहा कि ईमेल से यह साफ हो गया है कि मैंडेलसन और एप्स्टीन का रिश्ता 'पहले बताए गए स्तर से कहीं ज्यादा गहरा' था। हालांकि प्रधानमंत्री कीयर स्टारमर ने बुधवार तक मैंडेलसन का बचाव करते हुए कहा था कि उन्हें उन पर 'पूरा भरोसा' है, लेकिन नए खुलासों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं। विपक्ष ने सवाल उठाया कि जब मैंडेलसन की एप्स्टीन से दोस्ती पहले से जानी जाती थी

जेन-जेड युवा प्रदर्शनकारी की बैठक में ऐलान

सुशीला कार्की बनेंगी नेपाल की अंतरिम पीएम, 6 महीने में होंगे चुनाव

काठमांडू **(एजेंसी)**। 'जनरेशन ज़ेड प्रोटेस्ट' समूह ने गुरुवार को घोषणा की कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री का पदभार संभालेंगी। उन्होंने आगे कहा कि छह महीने के भीतर आम चुनाव कराए जाएँगे, जिससे नेपाल की जनता, खासकर युवा, अपनी पसंद का नया प्रधानमंत्री चुन सकेंगे। जनरेशन ज़ेड के युवा प्रतिनिधियों ने काठमांडू स्थित सेना मुख्यालय में नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल से मुलाकात के बाद यह घोषणा की।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जनरेशन ज़ेड समूह ने कहा कि अंतरिम नेतृत्व के लिए सुशीला कार्की सबसे उपयुक्त विकल्प हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश भर में एक स्वच्छता समिति का गठन किया जाना चाहिए और सभी को सेना के साथ मिलकर एक नए नेपाल के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। जेन जेड समूह ने कहा कि देश के पुनर्निर्माण और स्वच्छता के लिए सेना के साथ मिलकर काम किया जाएगा।

हिंसा की आग में फिर सुलगा नेपाल

जेल तोड़ कर भागे कैदियों पर सेना ने बरसाई गोलियां, भारत में पकड़े 35 बंदी

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल में जेन-जेड आंदोलन और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अब जेल ब्रेक की घटनाएं बढ़ गई हैं । गुरुवार को रामेछाप जिला जेल में कैदियों ने भागने की कोशिश की, जिसके बाद नेपाली सेना ने गोलीबारी की, जिससे लगभग 12-13 कैदी घायल हो गए। कैदियों ने आंतरिक ताले तोड़े और मुख्य दरवाजा जबरदस्ती खोलने की कोशिश की। सेना तुरंत मौके पर पहुंची और गोलियां बरसाई । जेल में 800 से अधिक कैदी बंद हैं। नेपाल के रामेछाप के मुख्य जिलाधिकारी श्याम कृष्ण थापा ने पुष्टि की कि सभी कैदियों को काबू में कर लिया गया है और स्थिति अब नियंत्रण में है। भारत की सशस्त्र सीमा बल ने अब तक 35 कैदियों को पकड़ा है, जो नेपाल की जेलों से भाग गए थे।

काठमांडू पोस्ट के अनुसार, जेन-जेड प्रदर्शनों के बीच जेल ब्रेक की घटनाओं में तेजी देखी जा रही है। बुधवार को प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल के इतिहास में सबसे बड़ी जेल ब्रेक में देशभर की 25 से अधिक जेलों से 15, 000 से अधिक कैदी भागने में सफल रहे। कुछ कैदी स्वेच्छा से लौटे, जबकि सेना और पुलिस ने बाकियों को फिर से काबू किया। सुरक्षा बढ़ा दी गई है और नेपाली पुलिस एवं सशस्त्र बलोंको जेलों में तैनात किया गया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)